RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 151 , मंगलवार, 14 जुलाई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

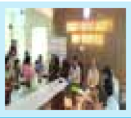

परिवार नियोजन को जन-जन तक पहुंचाने का निर्देश, सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर नियमित... 03

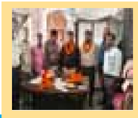

बनकटवा के नए अंचल अधिकारी बने अजय कुमार रंजन, संभाला पदभार 04

बॉक्स ऑफिस पर तेलुगु फिल्म ने गाड़े झंडे मां इंटी बंगारम समेत 13... 07

हाय हाय महंगाई

● 17 महीनों में पहली बार आरबीआई के टारगेट से ऊपर

जून में महंगाई ने पकड़ी रफ्तार, बढ़कर 4.38 फीसदी हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। जून में भारत की खुदरा महंगाई दर बढ़कर 4.38 फीसदी हो गई। इसकी वजह खाने-पीने की चीजों और ईंधन की ऊंची कीमतें, पश्चिम एशिया में जियोपॉलिटिकल टेंशन और मॉनसून के असमान रहने की चिंताएं थीं। इनसे कीमतों पर दबाव बना रहा। कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स का ताजा आंकड़ा 17 महीनों में पहली बार भारतीय रिजर्व बैंक के 4 फीसदी के मीडियम-टर्म इनफ्लेशन टारगेट से ऊपर चला गया। इससे कम महंगाई का दौर खत्म हो गया।

अनुमान से ज्यादा है आंकड़ा- रॉयटर्स के अर्थशास्त्रियों के एक पोल में इस महीने के लिए कंज्यूमर महंगाई दर 4.3 रहने का अनुमान लगाया गया था। इसमें अनुमान 3.65 से 5.50 फीसदी के बीच थे। जून का यह आंकड़ा तब से सबसे ज्यादा है जब भारत ने इस साल की शुरुआत में नए बेस ईयर और अपडेटेड कंजम्पशन बास्केट के साथ संशोधित सीरीज अपनाई थी।

आखिर तू कहां से आई

● **मॉनेटरी पॉलिसी में रेट में नहीं हुआ कोई बदलाव-** महंगाई दर का यह आंकड़ा भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से जून की मॉनेटरी पॉलिसी समीक्षा में बेंचमार्क रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर अपरिवर्तित रखने और अपने न्यूट्रल पॉलिसी रुख को बनाए रखने के कुछ हफ्तों बाद आया है। कारण है कि नीति-निर्माताओं ने महंगाई के जोखिमों और आर्थिक विकास को सहारा देने की जरूरत के बीच संतुलन बनाया था। सेंट्रल बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अपने महंगाई दर के अनुमान को भी अप्रैल में लगाए गए 4.6 से बढ़ाकर 5.1 फीसदी कर दिया था। इसका कारण खाने-पीने की चीजों की कीमतों का लगातार दबाव, ऊर्जा की अधिक लागत और घटनाक्रमों से पैदा होने वाली अनिश्चितताएं थीं।

आशुतोष भैया के लिए प्राण झोंक दिए जाएंगे

कहते-कहते रोने लगे नरोत्तम मिश्रा कुर्सी पर बैठे तो भी छलक आए आंसू

दतिया (एजेंसी)। बीजेपी उम्मीदवार आशुतोष तिवारी के नामांकन के बाद पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने जनसभा को संबोधित किया है। इस दौरान उन्होंने कहा है कि हम सभी साथ हैं। बीजेपी का एक-एक कार्यकर्ता आशुतोष भैया के लिए प्राण झोंक देगा। हम एक-एक घर में जाकर इनके लिए हाथ जोड़ेंगे। संबोधन के अंतिम दौर में नरोत्तम मिश्रा अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाए और भावुक हो गए।

16 जुलाई से यही जमाऊंगा डेरा- नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि मैं 16 जुलाई से यही पर डेरा जमाऊंगा। मैं क्षेत्र में एक-एक दरवाजे पर जाकर अपना शीश नवाऊंगा। मैं एक-एक गांव के अंदर जाऊंगा। यह कहते हुए नरोत्तम रो पड़े।

● **भावुक होकर कहा कि मैं आशुतोष को जिताऊंगा-** आशुतोष तिवारी को आशीर्वाद देते हुए नरोत्तम मिश्रा भावुक हो गए। उन्होंने हाथ जोड़ते हुए कहा कि मैं आशुतोष को जिताऊंगा। इसके बाद दोनों हाथ जोड़कर दतिया की जनता का अभिवादन किया औ मंच की ओर चले गए। सीएम मोहन यादव ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि एक राष्ट्र की बात है तो अलग-अलग कानून क्यों होने चाहिए। पूरे देश में एक सामान कानून की बात होनी चाहिए। कांग्रेसी इससे मुंह छुपा रही है। उन्होंने कहा कि बीजेपी जनता की पार्टी है, यह राजा-महराजाओं की पार्टी नहीं है। उन्होंने दतिया की जनता से कहा कि सिर्फ आशुतोष तिवारी ही नहीं, आपके साथ नरोत्तम मिश्रा भी मौजूद हैं। सीएम ने मंच से कहा कि नरोत्तम मिश्रा के नेतृत्व में ही उनका छोटा भाई आशुतोष तिवारी यहां चुनाव लड़ने आया है। नरोत्तम मिश्रा अपने संबोधन के बाद जब मंच पर जाकर बैठे तो वहां भी भावुक हो गए। उनकी आंखों से आंसू निकल रहे थे। पास बैठे नेताओं ने उन्हें ढांढस दिया और सांत्वना दिया है।

संक्षिप्त समाचार

90 की उम्र में जमीन के लिए संघर्ष कर रहे चुन्नीलाल !

देश के लिए तीन जंग लड़ने वाले पूर्व सैनिक से हो गई धोखाधड़ी

जैसलमेर (एजेंसी)। जिस योद्धा ने 1962 में चीन और 1965 व 1971 में पाकिस्तान के दांत खट्टे किए, वह आज अपनी ही जमीन को बचाने के लिए 90 साल की उम्र में लाठी टेकते हुए दफ्तरों के चक्कर काट रहा है। 1962, 1965 और 1971 के ऐतिहासिक युद्धों के गवाह रहे हिमाचल प्रदेश के

कांगड़ा निवासी कैप्टन चुन्नीलाल के साथ जैसलमेर में जो हुआ, उसने सीमावर्ती इलाके में चल रहे एक बहुत बड़े और संगठित लैंड स्कैम की पोल खोल दी है। कैप्टन चुन्नीलाल को पोंग बांध विस्थापित होने के नाते मोहनगढ़ क्षेत्र में सरकार ने एक कृषि भूमि आवंटित की थी। हिमाचल में रहने के कारण वे यहां बटाई पर खेती करवाते थे। भू-माफिया ने उनकी इसी कमजोरी का फायदा उठाया। 16 जून को उपनिवेशन तहसील में एक डमी चुन्नीलाल खड़ा करके रजिस्ट्री कराई गई।

मैं बिहार आकर अपना सुदर्शन चक्र चलाऊंगा

● वीणा मानवी को हिरासत में लेने पर भड़के तेज प्रताप

पटना (एजेंसी)। बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट पर होने जा रहे उपचुनाव में हर दिन एक नया और चौंकाने वाला मोड़ देखने को मिल रहा है। चुनावी सरगर्मियों के बीच, तेज प्रताप यादव की पार्टी जनशक्ति जनता दल की उम्मीदवार वीणा मानवी को नामांकन प्रक्रिया पूरी करते ही पुलिस ने

कलेक्ट्रेट परिसर से हिरासत में ले लिया। इस हाई-प्रोफाइल एक्शन के बाद बिहार की राजनीति में उबाल आ गया है। फिलहाल दिल्ली में मौजूद पार्टी संरक्षक तेज प्रताप यादव ने इस पूरी कार्रवाई पर गंभीर आपत्ति जताई है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी प्रत्याशी को जानबूझकर एक झूठे मामले में फंसाकर चुनाव प्रक्रिया से दूर करने की साजिश रची जा रही है। बांकीपुर विधानसभा में होने जा रहे उपचुनाव में कुछ अलग हो रहा है।

ई 20 पेट्रोल से खराब हो रही गाड़ियों पर सरकार सख्त

राज्यों को दिया मिलावटखोरों पर कड़ा ऐक्शन लेने का निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। ई 20 पेट्रोल इस समय देश में सबसे चर्चित मुद्दों में से एक बना हुआ है। सरकार इसको देशभर में लागू कर चुकी है। हालांकि, लोग शिकायत कर रहे हैं कि इससे उनकी गाड़ियों में खराबी आ रही है, इंजन खराब हो रहा है और माइलेज कम हो रहा है। लोगों में ई 20 पेट्रोल की क्वालिटी और इंजन सुरक्षा को लेकर

काफी चिंताएं देखी जा रही हैं। इस सबके बीच मोदी सरकार काफी सख्त है। केंद्र सरकार ने राज्यों को पेट्रोल में मिलावट करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। **मिलावटखोरों से कड़ाई से निपटने का आदेश-** पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने हाल ही में एक नोट जारी किया था। मंत्रालय ने निर्देश जारी कर सभी राज्यों के मुख्य सचिवों से कहा है कि ईंधन के रखरखाव या सप्लाई चेन में किसी भी तरह की लापरवाही को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सख्त कार्रवाई - सरकार ने कहा है कि पेट्रोल में मिलावट के हर मामले से बेहद कड़ाई से निपटा जाए।

नागरिकता का फैसला 'निष्पक्ष प्रक्रिया' से ही होगा

सुप्रीम कोर्ट ने खींच दी लकीर गौहाटी हाईकोर्ट का आदेश रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। नागरिकता को लेकर भ्रम फैलानी वाली बातों, तथ्यों के मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट का सोमवार को आया फैसला, इसे लेकर बहुत कुछ बातें साफ कर जाता है। नागरिकता केवल कानूनी पहचान नहीं बल्कि संविधान द्वारा संरक्षित एक महत्वपूर्ण अधिकार भी है। इसी सिद्धांत को दोहराते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अहम फैसला सुनाया। अदालत ने कहा कि किसी भी व्यक्ति की नागरिकता अथवा विदेशी होने का निर्धारण केवल निष्पक्ष, कानूनी और उचित प्रक्रिया के माध्यम से ही किया जा सकता है। और फिर सुप्रीम कोर्ट ने गौहाटी हाईकोर्ट के उन निर्णयों को निरस्त कर दिया, जिनमें 27 लोगों को विदेशी घोषित किए जाने के आदेश को बरकरार रखा गया था।

7 दिन में फिर से 'रफ्तार' पकड़ेगा मानसून

● अभी राजस्थान-गुजरात समेत कई राज्यों में कमजोर ● यूपी-बिहार समेत 18 राज्यों में बारिश का रेड अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान, गुजरात और उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों में बीते 3-4 दिनों में कमजोर पड़ा मानसून 20 जुलाई से फिर रफ्तार पकड़ेगा। सैटेलाइट इमेज में पूर्वी, मध्य और पूर्वोत्तर भारत के ऊपर घने बादल दिखाई दे रहे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, बांग्लादेश और पूर्वोत्तर के ऊपर बने चक्रवाती सिस्टम और पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) के कारण अगले कुछ दिनों में बारिश की गतिविधियां तेज होंगी। मौसम विभाग ने आज उत्तर प्रदेश, बिहार समेत 18 राज्यों में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल, पूर्वोत्तर राज्यों और पूर्वी उत्तर प्रदेश में अगले 6-7 दिनों तक कई जगह अच्छी से भारी बारिश होने का अनुमान है।

उत्तराखंड में लैंडस्लाइड से 126 सड़कें बंद- उत्तराखंड में लगातार बारिश के कारण कई जगह लैंडस्लाइड हुई है। 2 नेशनल हाईवे समेत 126 सड़कें बंद हैं। स्यानाचट्टी के पास ऋषिकेश-यमुनोत्री हाईवे रविवार को लगातार तीसरे दिन भी बंद रहा। हरियाणा में हिमाचल से आ रहे पानी के कारण यमुना और मारकंडा नदी में पानी बढ़ गया है। इससे कई गांवों में बाढ़ जैसे हालात हैं। दिल्ली में बारिश से यमुना का जलस्तर बढ़ गया है। रविवार को यमुना नदी में नहाने गए 4 बच्चे तेज बहाव में बह गए।

राजस्थान में कमजोर पड़ा मानसून- राजस्थान में मानसून का पहला दौर थमने के बाद अब बारिश की रफ्तार धीमी पड़ गई है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले करीब एक हफ्ते तक राज्य के ज्यादातर हिस्सों में बारिश की संभावना कम है। जोधपुर और बीकानेर संभाग के अधिकांश इलाकों में मौसम ड्राइ रहेगा। हालांकि, 14 और 15 जुलाई को बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू और आसपास के कुछ इलाकों में हल्की बारिश हो सकती है। पूर्वी राजस्थान में भी अगले 5-6 दिनों तक मौसम ज्यादातर साफ रहने का अनुमान है। इस दौरान शेखावाटी, जयपुर और भरतपुर संभाग के कुछ इलाकों में हल्की बारिश हो सकती है।

ज्ञानवापी, मथुरा और संभल

सुप्रीम कोर्ट की मध्यस्थता की पहल हो गई है विफल

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में राम मंदिर का मुद्दा सुलझने के बाद, मंदिरों से जुड़े तीन और बड़े विवाद चर्चा में हैं। इनमें सबसे चर्चित मंदिर-मस्जिद विवाद वाराणसी का ज्ञानवापी, मथुरा का श्रीकृष्ण जन्मभूमि शाही ईदगाह और संभल की शाही जामा मस्जिद का विवाद शामिल हैं। हालांकि इनकी गंभीरता देखते हुए सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने इन मामलों में सहमति आधारित समाधान तलाशने के उद्देश्य से पक्षकारों को मध्यस्थता यानी मेडियेशन प्रक्रिया में शामिल होने का प्रस्ताव दिया था। लेकिन यह परवान नहीं चढ़ सका। हिंदू और मुस्लिम दोनों पक्षों ने इस पहल को अस्वीकार कर दिया है।

नहीं बन पाई बात, दोनों पक्षों ने ठुकराया- देश में चल रहे तीन अन्य प्रमुख विवाद जिनमें वाराणसी का ज्ञानवापी, मथुरा का श्रीकृष्ण जन्मभूमि शाही ईदगाह और संभल की शाही जामा मस्जिद का विवाद शामिल हैं, लगता है सुप्रीम कोर्ट की प्राथमिकता सूची में हैं। इन विवादों को जल्द सुलझाने की उम्मीद के साथ सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने समाधान समारोह 2026 के तहत सहमति आधारित विवाद निपटारे की पहल की थी।

डीएमके को दुश्मन कहने वाले विजय से दोस्ती संभव नहीं

चेन्नई (एजेंसी)। थलपति विजय की पार्टी टीवीके अगर इंडिया गठबंधन में शामिल होगी तो डीएमके विपक्षी दलों के गुट से बाहर हो जाएगा। डीएमके चीफ एम के स्टालिन ने बीजेपी विरोध के नाम पर सीएम विजय से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया। डीएमके सांसद गणपति पी. राजकुमार ने कांग्रेस पर भी पीठ में छुरा भोंकने का आरोप लगाया। डीएमके प्रवक्ता टीकेएस एलंगोवन ने कहा कि सीएम विजय बार-बार डीएमके को अपना दुश्मन बता चुके हैं, ऐसे में हम उनके साथ इंडिया गठबंधन में साथ कैसे हो सकते हैं। पार्टी ने साफ किया कि बीजेपी के विरोध के नाम पर तमिलनाडु में केरल और पश्चिम बंगाल वाला मॉडल नहीं चलेगा।

खामेनेई की मौत से गुस्साए ईरान की 'हिट लिस्ट' में ट्रंप

नेतन्याहू और स्टार्मर सहित 13 नेताओं के और नाम हैं शामिल

तेहरान (एजेंसी)। अमेरिका-ईरान की जंग के बीच एक और घटनाक्रम इस समय चर्चा का विषय बन गया है। ईरान के एक अखबार ने सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की हत्या का बदला लेने के लिए टारगेट किए जाने वाले लोगों की एक लिस्ट छापी है। इस लिस्ट में अमेरिका, इजरायल और यूरोपियन देशों के नेता शामिल हैं। इस अखबार में एक पोस्टर छापा गया है, जिसमें अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अन्य बड़े नेताओं की तस्वीरें दिखाई गई हैं। यह लिस्ट ईरान की राजधानी में अधिकारियों द्वारा पब्लिश किए जाने वाले हमशहरी अखबार में छापी गई है। इस ग्राफिक के साथ अखबार ने हेडलाइन दी- अचानक मौत के लिए तैयार रहें। साथ ही मोजतबा खामेनेई का बयान भी छापा गया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि बदला हमारे देश की इच्छा है और इसे जरूर पूरा किया जाना चाहिए।

गो हत्या बैन के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

कहा-इसमें सुधार की जरूरत, मद्रास हाईकोर्ट ने कहा था-ये इस्लाम में जरूरी प्रथा नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मद्रास हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें तमिलनाडु सरकार को बकरीद या किसी भी दिन राज्य में गाय-बछड़ों के वध पर रोक सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस आदेश में सुधार की जरूरत है। राज्य सरकार ने मद्रास हाईकोर्ट के 27 मई के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। याचिका में कहा गया कि जब कानून तय श्रेणी की गायों के वध की अनुमति देता है, और उसके लिए निर्धारित स्थान भी तय हैं, तब अदालत का ऐसा निर्देश कानून के प्रावधानों के विपरीत है। इसे कायम नहीं रखा जा सकता। जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच ने आज इस मामले में नोटिस जारी किया और हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी।

हाईकोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 48 का हवाला दिया था

हाईकोर्ट ने कहा था कि संविधान का अनुच्छेद 48 राज्य सरकार को गाय, बछड़ों और दुधारू-पशुओं की सुरक्षा के लिए कदम उठाने का निर्देश देता है। कोर्ट ने तमिलनाडु एनिमल प्रिजर्वेशन एक्ट, 1958 की धारा-4 का उल्लेख किया। इसमें कहा गया है कि 10 साल से ज्यादा उम्र और प्रजनन के अयोग्य पशु को ही प्रमाणपत्र मिलने के बाद काटा जा सकता है। अदालत ने कहा कि इस प्रावधान की सख्ती से व्याख्या होनी चाहिए। कोर्ट ने कहा था कि पशु की कुर्बानी दी जाती है तो गलत है।

मद्रास हाईकोर्ट ने कुर्बानी रोकने को कहा था- मद्रास हाईकोर्ट ने 27 मई को (बकरीद से एक दिन पहले) तमिलनाडु सरकार को निर्देश दिया था कि राज्य में बकरीद या किसी अन्य दिन गाय और बछड़ों की कुर्बानी न हो। जस्टिस जीआर स्वामीनाथन और जस्टिस वी लक्ष्मीनारायण की बेंच ने कहा-संविधान सभा की बहस में कहा गया था कि गाय भारत में पूजनीय मानी जाती है। भगवान कृष्ण के समय से हमारी संस्कृति का हिस्सा रही है। कई मुस्लिम शासकों ने भी गोहत्या पर रोक लगाई थी। महात्मा गांधी भी गो संरक्षण को बहुत महत्वपूर्ण मानते थे।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने कहा था-बकरीद पर गाय की कुर्बानी जरूरी नहीं- 20 मई को कलकत्ता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार की पशु वध संबंधी गाइडलाइन पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने कहा कि बिना जरूरी फिटनेस सर्टिफिकेट के गाय, भैंस, बैल या बछड़े का वध नहीं किया जा सकता। चीफ जस्टिस सुजय पॉल और जस्टिस पार्थ सारथी की बेंच ने कहा, खुले सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी पशु का वध पूरी तरह बैन है। ईद-उल-जुहा में गाय की कुर्बानी इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। पूर्व तृणमूल नेता व विधायक हुमायूं कबीर ने गाइडलाइन का विरोध करते हुए ईद पर हर हाल में कुर्बानी की धमकी दी है।

संक्षिप्त समाचार

आर्मी जवान का मर्डर करने वाले का एनकाउंटर

हाजीपुर। वैशाली में डबल मर्डर के आरोपी के साथ पुलिस की मुठभेड़ हुई है। एनकाउंटर में आरोपी जगदीश राय के पैर में दो गोली लगी है। जगदीश राय को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जगदीश राय ने रविवार की सुबह रास्ते के विवाद में सेना के एक जवान और उनके पिता की गोली मारकर हत्या कर दी थी। मृतकों की पहचान मुनारिक राय (60) और उनके बेटे जितेंद्र कुमार (35) के रूप में हुई थी। डबल मर्डर के बाद जगदीश राय फरार चल रहा था। पुलिस को सूचना मिली को वो पटना के बहादुरपुर इलाके के एक हॉस्टल में छिपा हुआ है। पुलिस मौके पर पहुंची और उसे गिरफ्तार कर लिया। एसपी शुभांक मिश्रा ने बताया कि हमारी टीम जगदीश राय को लेकर पटना से बिद्दुपुर थाने आ रही थी। जैसे ही पुलिस की गाड़ी सुनसान इलाके में पहुंची जगदीश ने पुलिस की टीम से इंसास राइफल छीन ली और चलती गाड़ी से कूद गया। गाड़ी से कूदने के बाद उसने पुलिस की राइफल से पुलिस की गाड़ी पर फायरिंग शुरू कर दी। दो गोली पुलिस की गाड़ी को चिरती हुई निकल गई। उसके बाद पुलिस ने भी फायरिंग की। पुलिस की दो गोली जगदीश राय के पैर में लगी और वो जमीन पर गिर पड़ा। पुलिस ने उसके बाद उसे अरेस्ट कर लिया। आरोपी भतीजा जगदीश राय और मुनारिक राय के बीच जमीन को लेकर विवाद था। दोनों एक ही मकान में रहते थे। जगदीश ने अपने चाचा मुनारिका के घर से निकलने का रास्ता कुछ दिनों पहले बंद कर दिया था। जिसके बाद चाचा ने पुलिस से शिकायत की थी। डायल 112 की पुलिस आई थी, लोगों को समझा बुझाकर मामले को शांत कराया था। उस वक्त भतीजे ने रास्ते खाली करने की बात मानी पर रास्ते को खाली नहीं किया था। पड़ोसियों का कहना है कि जितेंद्र के आने के बाद भतीजे जगदीश राय ने फिर से जमीन विवाद को लेकर अपने चाचा से लड़ाई शुरू कर दी। शनिवार की रात में जगदीश राय और मुनारिक राय के बीच विवाद हुआ था। जगदीश राय ने कहा था कि वो मुनारिक राय का मर्डर कर देगा।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

हाजीपुर। वैशाली के जंदाहा थाना क्षेत्र में देर रात हुए सड़क हादसे में बिदुपुर थाना क्षेत्र के मनियारपुर गांव निवासी एक युवक की मौत हो गई। घटना जंदाहा के गराही स्थित महुआ-नीम चौक के समीप हुई, जहां किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे की जानकारी सुबह उस समय हुई, जब टहलने निकले लोगों ने सड़क किनारे शव पड़ा देखा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान बिदुपुर थाना क्षेत्र के मनियारपुर गांव निवासी 33 वर्षीय नितेश कुमार सिंह के रूप में हुई है। वह नागेंद्र सिंह के पुत्र थे और तीन भाइयों में मंझले थे। नितेश अविवाहित थे। स्थानीय लोगों के अनुसार, नितेश महुआ से अपने घर लौट रहे थे। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि वह किसी संबंधी के यहां से वापस आ रहे थे।

इसी दौरान रात करीब एक बजे के आसपास महुआ-नीम चौक के पास अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। देर रात होने के कारण किसी को दुर्घटना की जानकारी नहीं मिल सकी। सुबह जब लोग टहलने के लिए निकले तो सड़क किनारे युवक का शव पड़ा देखा। इसके बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई और पुलिस को सूचना दी गई। स्थानीय मुखिया प्रमोद पासवान ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला सड़क दुर्घटना का प्रतीत होता है। उन्होंने बताया कि देर रात हादसा होने के कारण किसी की नजर नहीं पड़ी और सुबह लोगों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर जंदाहा थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, हाजीपुर भेजने की प्रक्रिया शुरू की। पुलिस घटनास्थल का निरीक्षण कर दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है। साथ ही अज्ञात वाहन की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और अन्य साक्ष्यों को खंगाला जा रहा है। नितेश कुमार सिंह की असमय मौत की खबर मिलते ही मनियारपुर गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है और अज्ञात वाहन चालक की पहचान कर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पिकअप से 10 पशु बरामद, तीन तस्कर गिरफ्तार

हाजीपुर। वैशाली के सराय थाना क्षेत्र के सराय ओवरब्रिज के समीप वाहन जांच के दौरान पुलिस ने एक पिकअप वाहन से कथित तौर पर क्रूरतापूर्वक लादे गए 10 पशुओं को बरामद किया। इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने पिकअप वाहन को जब्त कर लिया है और आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। सराय थाना पुलिस के अनुसार, सहायक अवर निरीक्षक (एसआई) संजय मालाकार को गुप्त सूचना मिली थी कि एक पिकअप वाहन (BR-31GB-2589) में पशुओं को लादकर महुआ की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने सराय ओवरब्रिज के पास वाहन जांच अभियान शुरू किया। इसी दौरान टोल प्लाजा की ओर से आ रही संदिग्ध पिकअप को रोककर उसकी तलाशी ली गई। जांच के दौरान वाहन में पांच भैंस के पाड़े और पांच गाय के बछड़े कुल 10 पशु क्रूरतापूर्वक लदे मिले। पुलिस ने मौके से वाहन चालक समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान महुआ थाना क्षेत्र के चकमजाहिद निवासी मो. सौदागर (पिता- मो. खुर्शीद), मो. खुर्शीद (पिता- मो. रोजिद) और मो. हारून (पिता- मो. अंजुम) के रूप में हुई है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। सराय थानाध्यक्ष संजीव कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में 10 पशुओं को बरामद किया गया है। पशुओं को सुरक्षित रखने के लिए उन्हें पूर्वी चंपारण के पिपराकोठी स्थित फाटक (गोशाला) के सुपुर्द कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है तथा पुलिस पशु तस्करी से जुड़े नेटवर्क की भी जांच कर रही है।

प्राइवेट हॉस्पिटल में किशोर की मौत पर बवाल

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र स्थित एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान किशार की मौत के बाद जमकर हंगामा हुआ। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है। वहीं, अस्पताल प्रबंधन ने आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए दावा किया कि मरीज को बेहद गंभीर हालत में लाया गया था। उसकी जान बचाने की हरसंभव कोशिश की गई। मृतक की पहचान गायघाट थाना क्षेत्र के जांता गांव निवासी विशाल कुमार(17) के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही ब्रह्मपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित कराया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। मां अंजू देवी ने बताया कि रविवार सुबह विशाल घर के पास जनरेटर स्टार्ट कर रहा था। इसी दौरान हैंडल छिटककर उसके शरीर में लग गया, जिससे वह घायल हो गया। पहले उसे इलाज के लिए एसकेएमसीएच ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। कुछ देर बाद दर्द बढ़ने पर उसे बेहतर इलाज के लिए जूरन छपरा स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में भर्ती होने के बाद ही विशाल की तबीयत लगातार बिगड़ती चली गई। डॉक्टरों ने उसे आईसीयू में भर्ती कर ऑपरेशन की तैयारी की बात कही। जब परिजन उसे देखने पहुंचे तो उसकी सांसें उखड़ रही थीं और कुछ ही देर बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिजनों का आरोप है कि बेटे की मौत के बाद जब उन्होंने इलाज को लेकर सवाल उठाए तो अस्पताल कर्मियों ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया। पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी बनाया है और दावा किया कि अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरों में भी पूरी घटना रिकॉर्ड हुई है। उन्होंने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। अस्पताल के मैनेजर ने बताया कि मरीज को देर रात गंभीर हालत में भर्ती कराया गया था। उसे अंदरूनी चोट और तेज दर्द की शिकायत थी। डॉक्टरों की टीम लगातार इलाज कर रही थी। ऑपरेशन की तैयारी भी चल रही थी। मरीज की हालत बिगड़ने पर उसे वेंटिलेटर पर रखा गया, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। इलाज में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती गई। ब्रह्मपुरा थाना पुलिस ने बताया कि मरीज की मौत के बाद अस्पताल में हंगामे की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। परिजनों को शांत कराया गया है। मामले में आवेदन मिलने के बाद विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। साथ ही अस्पताल में लगे सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों की भी जांच की जाएगी।

पीएमसीएच में आउटसोर्सिंग कर्मचारियों ने किया हंगामा

काम ठप होने से ओटी-वार्ड सेवाएं प्रभावित, 6 माह से वेतन नहीं मिलने का आरोप

एजेंसी, पटना

पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (PMCH) में सोमवार को आउटसोर्सिंग कर्मचारियों ने वेतन भुगतान की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें पिछले छह महीने से वेतन नहीं मिला है। इस प्रदर्शन के कारण अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो गई हैं। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने बताया, वे लंबे समय से 'फ्रंटलाइन कंपनी' के माध्यम से PMCH में कार्यरत हैं। उन्हें पिछले छह माह से वेतन नहीं मिला है। कई बार अधिकारियों और कंपनी प्रबंधन से संपर्क करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ, जिससे उनके सामने परिवार चलाने का संकट खड़ा हो गया है।

हम लोगों को नियमित पेमेंट नहीं किया जाता- आउट सोर्स कर्मी: आउट सोर्सिंग स्टाफ से वार्ड बॉय विकास कुमार ने बताया, 'आउट सोर्सिंग की कई कंपनियों को एक साथ फंडिंग मिल जाता है, लेकिन सिर्फ फ्रांटलाइन एजेंसी का फंडिंग देर से होती है, जिससे हम लोगों को नियमित पेमेंट नहीं किया जाता हैं। इससे हमें कई महीनों तक वेतन नहीं मिलता है।'

ओटी और वार्डों का काम हुआ प्रभावित: वेतन भुगतान की मांग को लेकर प्रदर्शन के दौरान ऑपरेशन थिएटर (OT) और विभिन्न वार्डों में तैनात आउटसोर्सिंग कर्मचारियों ने काम बंद कर दिया। इससे अस्पताल की व्यवस्था पर सीधा असर पड़ा। अस्पताल के कई वार्डों में मरीजों की देखभाल और अन्य जरूरी सेवाएं प्रभावित हुईं, जिससे इलाज के लिए आए लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

नई एजेंसी को लेकर भी उठाए सवाल: कर्मचारियों ने नई एजेंसी को काम सौंपने की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। उनका आरोप है कि पुराने कर्मचारियों के बकाया वेतन का भुगतान किए बिना नई कंपनी को जिम्मेदारी दी जा रही है। कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनके बकाया वेतन का भुगतान नहीं होता और उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया जाता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। वे तत्काल वेतन भुगतान की मांग पर अड़े हुए हैं। इस आंदोलन के कारण PMCH की नियमित स्वास्थ्य सेवाओं पर असर पड़ा है और अस्पताल प्रशासन के सामने व्यवस्था सुचारु बनाए रखने की चुनौती खड़ी हो गई है।

यह हमारा नहीं, बल्कि आउटसोर्स एजेंसी का मामला- डॉ.राजीव कुमार सिंह: PMCH के अधीक्षक डॉ.राजीव कुमार सिंह ने बताया, 'यह एजेंसी का आंतरिक मामला है। संबंधित कर्मचारी हमारे नहीं हैं, बल्कि आउटसोर्स एजेंसी के हैं। हमारी ओर से किसी प्रकार की देरी नहीं की गई है।' अधीक्षक के मुताबिक, एजेंसी ने 13 जून को दिसंबर और जनवरी माह के बिल जमा किए थे। फिलहाल विभाग को अलॉटमेंट प्राप्त नहीं हुआ है। अलॉटमेंट मिलते ही 72 घंटे के भीतर भुगतान करने का आश्वासन दिया गया है।'

पटना में 150 फीट ऊंचे टावर पर चढ़ी लड़की, प्रेमी से शादी की जिद पर अड़ी

एजेंसी, पटना

पटना के नौबतपुर में सोमवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब 17 वर्षीय एक लड़की प्रखंड परिसर के पास स्थित करीब 150 फीट ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़ गई। लड़की अपने प्रेमी से शादी कराने की मांग पर अड़ी रही। लगभग 4 घंटे के बाद जब लड़की का प्रेमी मौके पर पहुंचा तो प्रेमी के देखते ही लड़की टावर से नीचे उतरी और टावर से नीचे उतरते ही ग्रस्त खाकर गिर पड़ी। मौके पर उपस्थित पुलिस कर्मियों ने उन्हें अपने गाड़ी में लेकर थाना की तरफ निकल पड़े।

जानकारी के मुताबिक, सोमवार सुबह लड़की अचानक टावर के शीर्ष पर पहुंच गई। स्थानीय लोगों की नजर पड़ते ही मौके पर भीड़ जुट गई। परिजन और ग्रामीण लगातार उसे नीचे उतरने के लिए मनाते रहे, लेकिन उसने साफ कहा कि जब तक उसकी शादी उसके प्रेमी से कराने का आश्वासन नहीं मिलेगा, वह नीचे नहीं आएगी। घटना की सूचना मिलते ही नौबतपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंच गई। थाना प्रभारी मंजीत ठाकुर ने बताया कि लड़की काफी ऊंचाई पर होने के कारण उससे सीधे बातचीत करना संभव नहीं हो पा रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने

ड्रोन से बात कराने की कोशिश के 4 घंटे बाद उतरी

ड्रोन कैमरे की मदद ली है। ड्रोन के माध्यम से लड़की तक मोबाइल फोन पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि उससे बातचीत कर उसे समझाया जा सके और सुरक्षित नीचे उतारा जा सके। पुलिस और प्रशासन ने एहतियातन मोबाइल टावर के आसपास पूरे क्षेत्र को घेर लिया है, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना से बचा जा सके। मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण और पुलिसकर्मी मौजूद हैं।

सभी लड़की को सुरक्षित नीचे लाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। समाचार लिखे जाने तक लड़की टावर पर ही मौजूद थी और नीचे उतरने से इनकार कर रही थी। प्रशासन का कहना है कि प्राथमिकता उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए उसे शांतिपूर्वक नीचे उतारना है।

नामांकन के बाद तेजप्रताप की उम्मीदवार वीणा मानवी गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना की बांकीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए तेजप्रताप की पार्टी की उम्मीदवार वीणा मानवी ने नामांकन दाखिल किया। नामांकन के बाद जैसे ही वह बाहर निकलीं, पटना पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने पहुंच गई। पुलिस को देखते ही वीणा मानवी भागने लगीं। इस दौरान पटना DM कार्यालय के बाहर कुछ देर तक हंगामा हुआ। हालांकि, कुछ देर बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान JJD की प्रत्याशी चिल्लाती और रोती रहीं। वह लगातार गेट पीटती रहीं, लेकिन पुलिस उन्हें गाड़ी में बैठाकर गांधी मैदान थाने ले गई। उन्होंने कहा, "ये सब बीजेपी करवा रही है। मैंने कोई अपराध नहीं किया है। हार के डर से ये सब किया जा रहा है।" फिलहाल ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास (JMFC)

पुलिस देखते ही भागने लगीं, बीजेपी कैंडिडेट के साथ खड़े नहीं दिखे सम्राट

कोर्ट-9 ने वीणा मानवी को जमानत दे दी है। उनके खिलाफ 2009 में एक परिवाद दायर किया गया था। इसी मामले में उनके खिलाफ वारंट जारी किया गया था। इसके अलावा, 2016 में उनके खिलाफ फर्जीवाड़ा, धोखाधड़ी और दलित उत्पीड़न का मामला भी दर्ज है।

फैजल खान उर्फ खान सर को मिली जमानत

एजेंसी, पटना

पटना सिविल कोर्ट ने चर्चित कोचिंग विवाद मामले में आज अपना फैसला सुनाया है। कोर्ट ने फैजल खान उर्फ खान सर सहित उनके 3 सहयोगियों की जमानत याचिका को मंजूरी दी है। इसके साथ ही कोर्ट ने फायरिंग करने के आरोप में जेल में बंद दोनों बॉडी गार्ड्स प्रदीप कुमार और तालेबर सिंह को भी जमानत दे दी है। खान सर के वकील अरविंद कुमार मौआर ने बताया, खान सर को बेल मिल गया है। जज साहब ने जमानत देने की घोषणा कर दिया है। उसके बाद उनके 3 स्टाफ का अलग बेल याचिका फाइल था, उसे भी मंजूर किया है। दोनों बॉडीगार्ड्स के रेगुलर जमानत याचिका भी थी, जिन पर आरोप था कि एयर फायरिंग किए हैं, उनका भी बेल मंजूर कर दिया गया है। इस तरह खान सर सहित कुल 6 लोगों को जमानत दी गई है।

खान सर के वकील अरविंद कुमार मौआर ने आगे कहा, 'पुलिस ने बहुत अच्छा इन्वेस्टिगेट किया है, इसमें जो सच्चाई थी, उसको उसमें डायरी में लिखा गया है। कुछ आर्गुमेंट्स वगैरह भी रहा, विरोधी पक्ष की ओर से विरोध तो बहुत

किया गया, लेकिन जो लॉ है, उसके मुताबिक जज ने उसको कंसिडर किया है। उसके बाद जमानत मंजूर की गई है।'

इससे पहले कोर्ट की ओर से सुनवाई के दौरान फैजल खान उर्फ खान सर की क्रिमिनल हिस्ट्री की मांगी गई थी। फिर 10 जुलाई को कोर्ट ने सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष की ओर से कहा गया था कि पुलिस की ओर से केस फाइल फाइनल कर दिया गया था। इसीलिए इस केस का जिक्र नहीं किया गया था। रौशन आनंद पक्ष की ओर से सत्या झा ने खान की जमानत का विरोध किया था। उन्होंने कोर्ट को बताया था कि फैजल खान की ओर से क्रिमिनल हिस्ट्री छिपाई गई है। इसके बाद कोर्ट ने कल सुनवाई के बाद क्रिमिनल इंसीडेंस सबमिट करने के लिए कहा था। बता दें कि पटना पुलिस की जांच में फैजल खान (खान सर) के दोनों बॉडीगार्ड्स के हथियारों के वेरिफिकेशन के दौरान अहम जानकारियां सामने आई थीं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, जिस हथियार से गोली चलवाई गई थी, वह तालेबर सिंह (34), निवासी कासगंज (उत्तर प्रदेश) का है, लेकिन उसके नाम पर जारी हथियार लाइसेंस का परमिट पूरे भारत के लिए मान्य नहीं पाया गया। आरोप है कि उतर प्रदेश से बिहार में हथियार लेकर आने, हथियार लेकर सुरक्षा ड्यूटी करने के लिए तालेबर सिंह के पास वैध अनुमति नहीं थी। फिर भी वह बिहार में बॉडीगार्ड की नौकरी कर रहा था। पुलिस ने फायरिंग में इस्तेमाल किए गए हथियारों और उनके लाइसेंस की जांच के बाद कई बिंदुओं को अपडेटेड केस डायरी में शामिल किया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, तालेबर सिंह गैर कानूनी तरीके से हथियार लेकर बिहार में बॉडीगार्ड की नौकरी कर रहा था। जांच में यह भी सामने आया है कि बिहार में हथियार के साथ नौकरी करने की जानकारी स्थानीय प्रशासन, आर्म्स मजिस्ट्रेट या संबंधित थाने को नहीं दी गई थी, जो कानूनन अपराध है।

बिहटा छड़ फैक्ट्री में करंट लगने से मजदूर की मौत 11 हजार वोल्ट हाईटेंशन लाइन की चपेट में आए

एजेंसी, पटना

पटना के बिहटा थाना क्षेत्र स्थित कैम्पर कॉन्कास्ट छड़ फैक्ट्री में सोमवार को करंट लगने से एक मजदूर की मौत हो गई। हादसे के बाद फैक्ट्री परिसर में अफरा-तफरी मच गई। मृतक की पहचान बिहटा के विशंभरपुर निवासी 55 वर्षीय बालेश्वर भगत के रूप में हुई है। घटना से आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों ने फैक्ट्री गेट पर पहुंचकर मुआवजे और सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया।

11000 वोल्ट की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आए: जानकारी के मुताबिक, बालेश्वर भगत फैक्ट्री परिसर में काम कर रहे थे। इसी दौरान वह 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आ गए। हादसे के बाद साथी मजदूर उन्हें तत्काल स्थानीय

अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

परिजनों ने सुरक्षा में लापरवाही का लगाया आरोप: घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन और स्थानीय लोग फैक्ट्री पहुंचे। उनका आरोप है कि फैक्ट्री प्रबंधन ने मजदूरों की सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए थे, जिसके कारण यह हादसा हुआ। उन्होंने मुआवजे की मांग करते हुए फैक्ट्री गेट पर हंगामा किया। मृतक के पुत्र विशाल कुमार ने बताया, 'आज मेरे पिता जी काम करने के लिए फैक्ट्री में आए थे। तभी फैक्ट्री के सुपरवाइजर ने बोला कि बिजली के तार के संपर्क में आने से एक बंदर की मौत हो गई है, उसे हटा दो। जिसके बाद मेरे पिताजी उसे हटाने गए। इसी दौरान वह भी करंट की चपेट में आ गए और उनकी मौत हो गई। उन्होंने आरोप लगाया कि, 'बिना बिजली कटे हुए और बिना कोई सुरक्षा के काम फैक्ट्री में कराया जाता है, जिसके कारण इस तरह की घटनाएं होती है। फैक्टरी प्रशासन की बड़ी लापरवाही है और हमारी मांग है कि फैक्टरी प्रशासन मेरे पिताजी को मुआवजा दे और नौकरी भी दे।ट

पुलिस ने शुरू की जांच: घटना की जानकारी मिलते ही बिहटा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने फैक्ट्री प्रबंधन से पूछताछ शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया, 'शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। मृतक के परिजन फैक्ट्री प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगा रहे हैं। मामले की जांच की जा रही है और परिजनों की ओर से लिखित शिकायत मिलने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।'

फुलवारीशरीफ में दहेज के लिए विवाहिता की हत्या

एजेंसी, पटना

पटना में 20 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। घटना के बाद पति समेत ससुराल पक्ष के सभी आरोपी घर छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए PMCH भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतका के परिजनों ने दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर पति पर पहले बिजली का करंट लगाने और फिर तार से गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। घटना धनरूआ थाना क्षेत्र के गुलरिया बिगहा गांव की है।

मृतका की पहचान पूजा कुमारी के रूप में हुई है। वह जहानाबाद जिले के घोसी निवासी अजय यादव की बेटी थीं। उनकी शादी मार्च 2024 में गुलरिया बिगहा निवासी रविरंजन कुमार से हुई थी।

पूजा कुमारी के चाचा रामध्यान

कुमार ने आरोप लगाया, 'शादी के समय अपनी क्षमतानुसार बाइक, नकद राशि और अन्य घरेलू सामान दिए गए थे, लेकिन ससुराल पक्ष लगातार अतिरिक्त दहेज, गाड़ी और नकदी की मांग कर रहा था। मांग पूरी न होने पर पूजा को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था।

रामध्यान कुमार के मुताबिक, रविवार को पति रविरंजन कुमार ने पहले पूजा को बिजली का करंट लगाकर गंभीर रूप से घायल किया और फिर तार से गला दबाकर उसकी हत्या कर दी।

इंस्टाग्राम पर हथियारों के साथ वीडियो डालकर बनाया खौफ

एजेंसी, पटना

पटना के बिहटा थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया पर हथियारों के साथ वीडियो पोस्ट कर दहशत फैलाने वाले एक नाबालिग किशोर को पुलिस ने हिरासत में लिया है। उसके कब्जे से एक देसी कट्टा और तीन जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस अब हथियार के स्रोत और उससे जुड़े संभावित नेटवर्क की जांच में जुटी है। पुलिस के मुताबिक, पिछले कुछ समय से लगातार सूचना मिल रही थी कि बिहटा थाना क्षेत्र के लेखन टोला गांव का एक नाबालिग अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर हथियारों के साथ वीडियो पोस्ट कर रहा है।

इन वीडियो के जरिए क्षेत्र में भय और दहशत का माहौल बनाया जा रहा था। पुलिस की जांच में सामने आया कि किशोर पिछले करीब दो वर्षों से विभिन्न हथियारों के साथ वीडियो बनाकर सोशल मीडिया

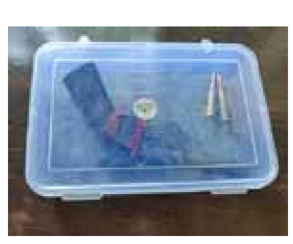

पर अपलोड कर रहा था। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने वायरल वीडियो की जांच की। वीडियो सही पाए जाने पर रविवार देर शाम उसके घर पर छापेमारी की गई। तलाशी के दौरान पुलिस ने एक देसी कट्टा और तीन जिंदा कारतूस बरामद किए। इसके बाद किशोर को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की गई। पुलिस के अनुसार, हिरासत में लिए गए नाबालिग की पहचान धीरज यादव के रूप में हुई है। उससे पूछताछ कर यह पता लगाया जा रहा है कि हथियार उसे कहां से मिले और क्या उसके साथ अन्य लोग भी जुड़े हुए हैं।

'बिहार में अफसरों का गैंग चला रही सम्राट सरकार'

एजेंसी, पटना

राजद सांसद सुधाकर सिंह ने आज सोमवार को पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बिहार सरकार और प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि बिहार में रिशु श्री, संजीव हंस और आनंद किशोर का बनाया हुआ एक "गैंग" काम कर रहा था, जो आज भी सक्रिय है और किसी से नहीं डरता। उन्होंने आरोप लगाया कि लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (PHED) में नल-जल योजना के मरम्मत कार्य से जुड़े करीब 3,500 करोड़ रुपये के टेंडर नियमों की अनदेखी कर दिए गए।

डिबार कंपनी को मिले टेंडर पर उठाए सवाल: सांसद ने दावा किया कि रिशु श्री जेल में हैं और संजीव हंस फरार बताए जा रहे हैं, लेकिन उनके प्रभाव में काम अब भी जारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर विकास विभाग में डिबार घोषित कंपनी को भी बिलो रेट पर टेंडर दे दिया गया। मुख्यमंत्री से सवाल करते हुए उन्होंने कहा कि जिन कंपनियों को पहले दोषी माना गया था, उन्हें फिर से सरकारी काम दिया जा रहा है, जिससे बिहार का नुकसान

होगा।

मंत्रियों की नहीं चलती, अधिकारी चला रहे सरकार- सुधाकर सिंह: सुधाकर सिंह ने कहा, 'बिहार सरकार में मंत्रियों की कोई हैसियत नहीं रह गई है। फाइलें मंत्रियों तक पहुंचती ही नहीं हैं और पूरा सिस्टम कुछ अधिकारियों के इशारे पर चल रहा है।'

पंकज दराद के तबादले पर उठाए सवाल: सांसद ने पंकज दराद के तबादले को लेकर भी सवाल उठाए। उनका आरोप था कि, योगेश सागर और अभिलाषा शर्मा का नाम सामने लाने की कोशिश के कारण उनका ट्रांसफर कराया गया। उन्होंने दावा किया कि, यह

3,500 करोड़ के टेंडर में गड़बड़ी का आरोप, पटना में सुधाकर सिंह बोले-मंत्रियों की एक नहीं चलती

कार्रवाई जदयू नेताओं के दबाव में हुई। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि पंकज दराद को क्लीन चिट नहीं दी जा सकती, क्योंकि उन्होंने भी पूरी तरह न्याय नहीं किया।

बंटी कुमार हत्याकांड पर भी सरकार को घेरा: पटना के करबिगहिया के बंटी कुमार हत्याकांड का जिक्र करते हुए सुधाकर सिंह ने बिहार पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, 'जब तक कुंदन कृष्णन पुलिस मुख्यालय में रहेंगे, तब तक अपराध पर प्रभावी नियंत्रण संभव नहीं होगा।' उन्होंने आरोप लगाया, 'पुलिस कार्रवाई में भेदभाव होता है। रिशु श्री को जेल में विशेष सुविधाएं दी जा रही हैं और पूरे मामले को दबाने की कोशिश हो रही है।' इस संबंध में उन्होंने जनहित याचिका (PIL) दायर करने की भी जानकारी दी।

संक्षिप्त समाचार

आगामी 21 जुलाई को पूर्वी चंपारण की 71 पंचायतों में लगेगा पांचवें चरण का सहयोग शिविर, डीएम ने पदाधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिला प्रशासन 21 जुलाई 2026 को जिले के शेष 23 प्रखंडों की 71 पंचायतों में पांचवें चरण के सहयोग शिविर का आयोजन करेगा।

इससे पहले 19 मई, 2 जून, 16 जून और 7 जुलाई को आयोजित चार चरणों के सफल आयोजन के बाद जिला प्रशासन ने पांचवें चरण की तैयारियां तेज कर दी हैं। जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिया है कि उन्हें आवंटित प्रखंड एवं पंचायतों में प्रखंड विकास पदाधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर शिविर का सफल संचालन सुनिश्चित करें। उन्होंने पंचायत एवं प्रखंड स्तर के अधिकारियों को भी सभी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सहयोग शिविर का उद्देश्य आम नागरिकों को उनकी समस्याएं, शिकायतें और सुझाव सीधे प्रशासन के समक्ष रखने का अवसर देना तथा उनका त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। यह कार्यक्रम बिहार सरकार के निर्देश पर पंचायत स्तर पर निर्धारित रोस्टर के अनुसार आयोजित किया जा रहा है। प्रशासन ने बताया कि सहयोग शिविर से संबंधित जानकारी टोल फ्री नंबर 1100 पर प्रतिदिन सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे तक प्राप्त की जा सकती है। वहीं sahyog.bihar.gov.in पोर्टल पर भी ऑनलाइन परिवाद दर्ज किया जा सकता है, जिसका निष्पादन 30 दिनों के भीतर सुनिश्चित किया जाएगा। 21 जुलाई को आदापुर, छौरादानो, रामगढ़वा, रक्सौल, बनकटवा, चिरैया, ढाका, घोड़ासहन, मधुबन, पताही, बंजरिया, कोटवा, मोतिहारी, सुगौली, तुरकौलिया, चकिया, कल्याणपुर, केसरिया, मेहसी, अरेराज, हरसिद्धि, पहाड़पुर और संग्रामपुर प्रखंडों की कुल 71 पंचायतों में सहयोग शिविर आयोजित किए जाएंगे। प्रत्येक प्रखंड के लिए संबंधित वरीय अधिकारियों को नोडल पदाधिकारी नियुक्त किया गया है। जिला प्रशासन ने बताया कि फेनहारा, पिपराकोठी, तेतरिया एवं पकड़ीदयाल प्रखंडों की सभी पंचायतों में पूर्व के चरणों में ही सहयोग शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि 21 जुलाई के शिविर से पहले संबंधित पंचायतों में अधिक से अधिक आवेदन प्राप्त किए जाएं तथा सभी मामलों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए।

एलएनडी कॉलेज में स्नातक सत्र 2026-30 के तृतीय चरण का नामांकन शांतिपूर्वक संपन्न

बीएनएम@ मोतिहारी। शहर के एलएनडी कॉलेज में स्नातक सत्र 2026-30 के तृतीय चरण की नामांकन प्रक्रिया विश्वविद्यालय द्वारा जारी तृतीय मेधा सूची के आधार पर शुक्रवार, 11 जुलाई को शांतिपूर्वक संपन्न हो गई। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) मृगेंद्र कुमार ने विषयवार नामांकन की जानकारी देते हुए बताया कि कला संकाय में अर्थशास्त्र में 44, अंग्रेजी में 60, भूगोल में 447, हिन्दी में 238, इतिहास में 350, दर्शनशास्त्र में 7, राजनीति विज्ञान में 272, मनोविज्ञान में 143 तथा उर्दू में 74 छात्र-छात्राओं ने नामांकन कराया। वहीं विज्ञान संकाय के अंतर्गत बॉटनी में 39, केमिस्ट्री में 26, गणित में 79, फिजिक्स में 68 तथा जूलॉजी में 125 विद्यार्थियों का नामांकन हुआ। वहीं महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने बताया कि स्पोर्ट्स कोटा के तहत नामांकन के लिए विश्वविद्यालय से प्राप्त दिशा-निर्देशों के आलोक में महाविद्यालय आगे की प्रक्रिया पूरी करेगा।

रामगढ़वा के नए अंचलाधिकारी अमित कुमार ने संभाला पदभार, फरियादियों की समयबद्ध सुनवाई का लिया संकल्प

बीएनएम@ रामगढ़वा। रामगढ़वा अंचल कार्यालय में सोमवार को नवपदस्थापित अंचलाधिकारी अमित कुमार ने विधिवत पदभार ग्रहण किया।

इससे पहले वे पटना जिले के संपतचक अंचल में पदस्थापित थे। उन्होंने रक्सौल अंचलाधिकारी से अतिरिक्त प्रभार के रूप में कार्यभार लिया। पदभार ग्रहण के बाद जनप्रतिनिधियों एवं अंचल कर्मियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। इस मौके पर उप प्रमुख अरविंद पांडेय, प्रमुख प्रतिनिधि विशाल गुप्ता, बीपीआरओ इंद्रजीत दास समेत अंचल कार्यालय के सभी कर्मी उपस्थित रहे। कार्यभार संभालने के बाद अंचलाधिकारी अमित कुमार ने कहा कि उनकी प्राथमिकता पारदर्शी एवं जवाबदेह प्रशासन देना है। उन्होंने कहा कि अंचल कार्यालय आने वाले प्रत्येक फरियादी की समस्याओं की समयबद्ध सुनवाई और निष्पादन सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र लाभार्थी तक शत-प्रतिशत पहुंचाना उनकी प्रमुख प्रतिबद्धता होगी। साथ ही राजस्व एवं प्रशासनिक कार्यों को निष्पक्ष, पारदर्शी और जनहित के अनुरूप संचालित करने का भरोसा भी दिया।

परिवार नियोजन को जन-जन तक पहुंचाने का निर्देश, सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर नियमित बंध्याकरण सेवा होगी सुनिश्च

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण में परिवार नियोजन सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं सुलभ बनाने के उद्देश्य से जिला गुणवत्ता यकीन समिति की बैठक आरोग्य भवन सभागार में सहायक जिला समाहर्ता एवं सिविल सर्जन की संयुक्त अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिया कि परिवार नियोजन के प्रति आमजन में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाए तथा सभी स्वास्थ्य संस्थानों पर महिला बंध्याकरण एवं पुरुष नसबंदी की सेवाएं नियमित रूप से उपलब्ध कराई जाएं। बैठक में सदर अस्पताल, अनुमंडलीय अस्पताल एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के ऑपरेशन थिएटरों को सुदृढ़ बनाने तथा स्वास्थ्य सेवाओं को गुणवत्तापूर्ण ढंग से संचालित करने पर विशेष जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जहां सर्जन अथवा स्त्री रोग विशेषज्ञ उपलब्ध नहीं हैं, वहां अन्य संस्थानों के विशेषज्ञों की सेवाएं लेकर परिवार नियोजन कार्यक्रम को बाधित नहीं होने दिया जाए। बैठक के दौरान पीएसआई इंडिया के जिला प्रबंधक अमित कुमार ने एनएफएचएस-6 के आंकड़ों, परिवार नियोजन क्षतिपूर्ति योजना तथा 'फिक्स डे सर्विस' व्यवस्था पर प्रस्तुतीकरण देते हुए बताया कि नियमित सेवा दिवस निर्धारित होने से गुणवत्ता में सुधार होगा और लाभार्थियों की संख्या भी बढ़ेगी। इसके बाद जिला सामुदायिक उत्प्रेरक ने एनक्वास एवं कायाकल्प कार्यक्रम की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए गुणवत्ता आधारित स्वास्थ्य सेवाओं पर विस्तृत जानकारी दी। बैठक में जिलाधिकारी एवं सिविल सर्जन ने परिवार नियोजन कार्यक्रम, विशेषकर महिला बंध्याकरण एवं नए गर्भनिरोधक इम्प्लांट के सफल क्रियान्वयन में उत्कृष्ट योगदान देने वाले स्त्री रोग विशेषज्ञों, सर्जनों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में डॉ. एस.एन. सत्यार्थी, डॉ. सरुची स्मृति, डॉ. वंदना शर्मा, डॉ. रश्मि श्री, डॉ. प्रीति गुप्ता, डॉ. एस.सी. भारतीय, डॉ. मुकेश कुमार, डॉ. ए. कमाल, डॉ. चंदन कुमार, डॉ. राजीव रंजन, डॉ. अमित कश्यप, डॉ. विजय कुमार, डॉ. विकास कुमार, पीएसआई इंडिया के जिला प्रबंधक अमित कुमार, सविता कुमारी एवं राजेश कुमार शामिल रहे। बैठक में जिला आशा समन्वयक नंदन झा ने बताया कि 11 से 31 जुलाई 2026 तक जिले में जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा मनाया जाएगा। इस दौरान आशा कार्यकर्ता एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मी योग्य दंपतियों को परिवार नियोजन के विभिन्न साधनों एवं सेवाओं के प्रति जागरूक करेंगे। बैठक में सिविल सर्जन डॉ. दिलीप कुमार सिंह, अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. एस.एन. सत्यार्थी, डॉ. पंकज कुमार, डॉ. संजीव कुमार, जिला कार्यक्रम प्रबंधक ठाकुर विश्व मोहन सहित जिले के सभी उपाधीक्षक, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, सर्जन, स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं अन्य स्वास्थ्य अधिकारी उपस्थित रहे।

23 साल से एक ही पीएचसी में जमे प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, तबादला नीति पर उठे सवाल

बीएनएम@ सागर सूरज

मोतिहारी। जिले के हरसिद्धि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के लंबे समय से एक ही स्थान पर पदस्थापित रहने को लेकर स्थानीय स्तर पर सवाल उठने लगे हैं। लोगों का दावा है कि डॉ. सुनील कुमार पिछले लगभग 23 वर्षों से हरसिद्धि पीएचसी में कार्यरत हैं। इसे लेकर स्वास्थ्य विभाग की ट्रांसफर-पोस्टिंग व्यवस्था और उसकी पारदर्शिता पर चर्चा तेज हो गई है। स्थानीय लोगों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत अधिकारियों एवं कर्मचारियों का समय-समय पर स्थानांतरण किया जाता है, ताकि कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, जवाबदेही और निष्पक्षता बनी रहे। ऐसे में एक अधिकारी का दो दशक से अधिक समय तक एक ही स्थान पर बने रहना कई सवाल खड़े करता है। कुछ स्थानीय लोगों का आरोप है कि जब-जब स्थानांतरण की प्रक्रिया शुरू होती है, किसी न किसी कारण से उनका तबादला टल जाता है। हालांकि, इन आरोपों के समर्थन में कोई आधिकारिक दस्तावेज या सार्वजनिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है और इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। ग्रामीणों का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग को इस मामले में स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए कि आखिर किन प्रशासनिक कारणों से इतने लंबे समय तक एक ही स्थान पर पदस्थापन जारी है। उनका मानना है कि यदि किसी विशेष परिस्थिति में ऐसा निर्णय लिया गया है, तो उसे सार्वजनिक रूप से स्पष्ट किया जाना चाहिए, ताकि किसी प्रकार की भ्रांति या विवाद की स्थिति उत्पन्न न हो। इस संबंध में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सुनील कुमार तथा पूर्वी चंपारण के सिविल सर्जन का पक्ष जानने का प्रयास किया गया, लेकिन समाचार लिखे जाने तक उनकी ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हो सकी।

एल.एन. दूबे कॉलेज में विश्व जनसंख्या दिवस पर वाद-विवाद प्रतियोगिता, जनसंख्या नियंत्रण पर दिया गया जोर

बीएनएम@ मोतिहारी

विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर शहर स्थित एल.एन. दूबे कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के तत्वावधान में वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनसंख्या वृद्धि के सामाजिक, आर्थिक और विकासात्मक पहलुओं पर सार्थक चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. रवि रंजन सिंह ने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग को जनसंख्या के सामाजिक एवं आर्थिक प्रभावों के प्रति जागरूक होने की आवश्यकता है। मुख्य अतिथि एवं इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार ने कहा कि सतत विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए जनसंख्या नियंत्रण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। प्रतियोगिता में 30 से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विषय के पक्ष एवं विपक्ष में अपने तर्क प्रस्तुत किए। पक्ष में अभिषेक कुमार ने प्रथम, श्रुति कुमारी ने द्वितीय तथा दीपांशु कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं विपक्ष में अनुराग कुमार प्रथम, कृति कुमारी द्वितीय और शुभम कुमार तृतीय स्थान पर रहे। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। निर्णायक मंडल में गणित विभागाध्यक्ष डॉ. दीपक कुमार, मनोविज्ञान विभाग की प्रो. अनीता कुमारी तथा राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. कुमार राकेश रंजन शामिल रहे। कार्यक्रम के सफल संचालन में एनएसएस स्वयंसेवक लकी, साक्षी, इमरान, निकिता, विक्की, शैलेंद्र, माही, राधा, निशा सहित अन्य स्वयंसेवकों ने सक्रिय भूमिका निभाई। अंत में प्रतिभागियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया गया तथा कार्यक्रम का समापन हुआ।

आधी रात थानों में पहुंचे एसपी स्वर्ण प्रभात, ढाका-चिरैया थाने का औचक निरीक्षण

बीएनएम@ मोतिहारी

जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने सोमवार देर रात ढाका एवं चिरैया थाना का औचक निरीक्षण किया। बिना किसी पूर्व सूचना के एसपी के थानों में पहुंचते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी तत्काल सक्रिय हो गए। निरीक्षण के दौरान एसपी ने दोनों थानों की कार्यप्रणाली का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने थाना अभिलेखों की जांच की, रात्रि ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों की उपस्थिति का सत्यापन किया तथा लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए उनके शीघ्र निष्पादन के निर्देश दिए। साथ ही जिले में चल रहे एस-ड्राइव अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए अपराधियों, शराब कारोबारियों एवं मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध चल रही कार्रवाई की जानकारी ली। एसपी स्वर्ण प्रभात ने कहा कि आम नागरिकों को सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने थाना प्रभारियों को अपराध नियंत्रण अभियान में किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरतने तथा हर सूचना पर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले की कानून-व्यवस्था और शांति व्यवस्था बनाए रखने में किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने थाना परिसर में संचालित पुलिस रसोई का भी निरीक्षण किया। उन्होंने भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता, रसोई व्यवस्था तथा पुलिसकर्मियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि विषम परिस्थितियों में चौबीसों घंटे ड्यूटी करने वाले पुलिसकर्मियों का मनोबल बनाए रखने के लिए गुणवत्तापूर्ण भोजन, स्वच्छ वातावरण और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना भी पुलिस प्रशासन की जिम्मेदारी है। निरीक्षण के अंत में एसपी ने सभी अधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों को निर्देश दिया कि थाना आने वाले प्रत्येक फरियादी के साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जाए और उसकी शिकायत का त्वरित, निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि ड्यूटी में लापरवाही, अनुशासनहीनता अथवा आमजन के प्रति असंवेदनशीलता किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास ही पुलिस की सबसे बड़ी ताकत है और इसे बनाए रखना हर पुलिसकर्मी की जिम्मेदारी है।

अंतर्राष्ट्रीय सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र कुमार को 'अंग गौरव सम्मान', अंग शिखर सम्मेलन–2026 में हुए सम्मानित

बीएनएम@ मोतिहारी

अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त भारतीय सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र कुमार को अंग नगरी भागलपुर के टाउन हॉल में आयोजित अंग शिखर सम्मेलन–2026 के दौरान अंग क्षेत्र के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल 'अंग गौरव सम्मान' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट, प्रेरणादायी एवं समाजोपयोगी योगदान के लिए अंग मुक्ति दल (केंद्रीय समिति) की ओर से प्रदान किया गया।सम्मान समारोह में विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, बुद्धिजीवियों एवं गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। आयोजकों ने कहा कि मधुरेंद्र कुमार ने अपनी अनूठी सैंड आर्ट, मूर्तिकला एवं सामाजिक सरोकारों पर आधारित कलाकृतियों के माध्यम से अंग क्षेत्र का नाम राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी गौरवान्वित किया है। सम्मान प्राप्त करने के बाद मधुरेंद्र कुमार ने इसे अंग प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, कला और समाज के प्रति समर्पित सभी कलाकारों को समर्पित करते हुए कहा कि यह सम्मान उन्हें भविष्य में और अधिक सृजनात्मक एवं जनहित के कार्य करने की नई प्रेरणा देगा। समारोह में उपस्थित लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच मधुरेंद्र कुमार का अभिनंदन किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पूरे कार्यक्रम का वातावरण सम्मान, गौरव और सांस्कृतिक चेतना से ओत-प्रोत रहा।

आईआईटी जेईई व नीट की तैयारी का भरोसेमंद केंद्र बना एमिनेंस स्कूल ऑफ साइंस

» अनुभवी शिक्षकों, लक्ष्य आधारित तैयारी, टेस्ट सीरीज़ व हॉस्टल सुविधा से पूर्वी चंपारण के छात्रों की पहली पसंद बना संस्थान

एक दशक में 60 से अधिक छात्रों का आईआईटी व एनआईटी में चयन

बीएनएम@ मोतिहारी

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के क्षेत्र में अपनी गुणवत्ता, अनुशासित शैक्षणिक वातावरण और उत्कृष्ट परिणामों के बल पर एमिनेंस स्कूल ऑफ साइंस ने पूर्वी चंपारण में एक विशिष्ट पहचान स्थापित की है। वर्ष 2016 में स्थापित यह संस्थान आज आईआईटी जेईई एवं नीट जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए विद्यार्थियों और अभिभावकों का भरोसेमंद केंद्र बनकर उभरा है। संस्थान के निदेशक शैलेन्द्र चौबे के नेतृत्व में पिछले एक दशक से विद्यार्थियों को लक्ष्य आधारित, व्यवस्थित और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। संस्थान के अनुसार वर्ष 2016 से 2026 के बीच यहां अध्ययन करने वाले 60 से अधिक विद्यार्थियों ने आईआईटी एवं एनआईटी जैसे देश के प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थानों में सफलता प्राप्त कर संस्थान का गौरव बढ़ाया है। यहां केवल केवल आईआईटी एवं नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की विशेष तैयारी कराई जाती है। अनुभवी एवं विषय-विशेषज्ञ शिक्षकों के मार्गदर्शन में नियमित कक्षाओं के साथ व्यापक टेस्ट सीरीज़, डाउट क्लास, व्यक्तिगत मेंटरिंग तथा समय-समय पर प्रदर्शन मूल्यांकन की प्रभावी व्यवस्था विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जाती है, जिससे उनकी तैयारी को निरंतर मजबूती मिलती है। वहीं दूर-दराज से आने वाले विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए संस्थान में डे-बोर्डिंग एवं हॉस्टल की भी समुचित व्यवस्था की गई है। आधुनिक शिक्षण पद्धति, अनुशासित माहौल और परिणामोन्मुखी तैयारी के कारण यह संस्थान लगातार विद्यार्थियों एवं अभिभावकों का विश्वास अर्जित कर रहा है। यह संस्थान शहर के ग्रीन सिटी के सामने, एम.एस. कॉलेज के समीप, मोतिहारी (पूर्वी चंपारण, बिहार) में स्थित है और प्रतियोगी शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ अपनी पहचान को और सुदृढ़ बना रहा है।

जिला शिक्षा कार्यालय पर डीएम का औचक निरीक्षण, अनुपस्थित कर्मियों पर वेतन कटौती व स्पष्टीकरण का निर्देश

सेवांत लाभ व एरियर के मामलों का एक माह में निष्पादन, शिकायतों के निपटारे के लिए 15 दिन की समयसीमा तय

बीएनएम@ मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने सोमवार को उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार एवं सहायक समाहर्ता राजकृष्ण झा के साथ जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बायोमैट्रिक उपस्थिति की जांच की गई तथा सभी कर्मियों का परिचय प्राप्त किया गया। अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित पाए गए कर्मियों से स्पष्टीकरण मांगने और उनका वेतन काटने का निर्देश दिया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को सेवांत लाभ एवं एरियर भुगतान से जुड़े सभी लंबित मामलों का निष्पादन हर हाल में एक माह के भीतर सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही शिकायतों से संबंधित मामलों का अगले 15 दिनों में निपटारा करने तथा आवश्यकता पड़ने पर विशेष कैंप आयोजित करने को कहा। डीएम ने निर्देश दिया कि शिक्षकों एवं छात्रों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर गंभीरता से लेते हुए उनका त्वरित समाधान किया जाए। उन्होंने जन शिकायतों से संबंधित सभी आवेदनों का सुव्यवस्थित रख-रखाव करने, लॉग बुक संधारित करने तथा शिकायत प्राप्त होने से लेकर कार्रवाई के प्रत्येक चरण का रिकॉर्ड रखने और उसकी नियमित समीक्षा करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी स्तर पर शिकायत लंबित रहने पर संबंधित कर्मी या पदाधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने सेवांत लाभ एवं शिकायतों के निष्पादन से संबंधित कार्रवाई प्रतिवेदन जिला गोपनीय प्रशाखा को उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया। साथ ही शिक्षा विभाग के सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को नियमित रूप से बायोमैट्रिक उपस्थिति दर्ज कराने और इसकी सतत समीक्षा सुनिश्चित करने को कहा। समय पर कार्यालय नहीं आने वाले कर्मियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए।

संक्षिप्त समाचार

पकड़ीदयाल पुलिस की बड़ी कार्रवाई, शराब सेवन, अपहरण कांड व वारंटी समेत 7 गिरफ्तार

पकड़ीदयाल। पकड़ीदयाल थाना पुलिस ने अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए शराब सेवन, लड़की अपहरण कांड और वारंटी समेत कुल सात आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार ने बताया कि शराब सेवन के आरोप में भंगहिया निवासी दिनेश प्रसाद, मठिया निवासी नवल गिरी, चोरमा निवासी विनोद कुमार तथा भगवानपुर के बनरझूला निवासी हरदेव साहनी और दीपक कुमार को गिरफ्तार किया गया। वहीं, लड़की अपहरण से संबंधित एक मामले में कल्याणपुर थाना क्षेत्र के कैथवलिया निवासी पंकज कुमार (पिता- राजकिशोर राउत) को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा न्यायालय से जारी वारंट के आधार पर सिसहनी निवासी संजय लाल पटवा को भी गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि सभी गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि अपराधियों और कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

जर्जर सड़क से ग्रामीण परेशान, वार्ड सदस्य ने उठाई निर्माण की मांग

बीएनएम@ योगापट्टी : योगापट्टी प्रखंड के नवलपुर ग्राम पंचायत के वार्ड संख्या-01 स्थित बेनीमाधो के टोला से नवलपुर बाजार जाने वाली मुख्य सड़क की बदहाल स्थिति से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यह सड़क क्षेत्र के लोगों के लिए बाजार,अस्पताल, स्कूल और अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंचने का प्रमुख मार्ग है, लेकिन वर्षों से इसकी हालत अत्यंत जर्जर बनी हुई है।स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे और कीचड़ होने के कारण आवागमन मुश्किल हो गया है। बरसात के दिनों में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि किसी व्यक्ति की अचानक तबीयत बिगड़ जाए, तो समय पर अस्पताल पहुंचाना भी मुश्किल हो जाता है, जिससे जान का खतरा बढ़ जाता है।वार्ड सदस्य सुजीत कुमार चौधरी ने बताया कि वे पिछले पांच वर्षों से इस सड़क के निर्माण के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के समक्ष कई बार मांग उठाई है। उनके अनुसार सड़क का सर्वे कार्य भी पूरा हो चुका है, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिल रहा है और निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया है।

विवाह उपरांत 103 नीम के पौधे लगाकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बीएनएम@ समस्तीपुर। सिंगल यूज़ प्लास्टिक मुक्त अभियान से प्रेरित होकर रासपुर पतासिया पश्चिम पंचायत के पूर्व सरपंच फूलकुमारी एवं प्रो. भारतेंदु कुमार सिंह के पुत्र भास्कर एवं भानु के विवाह उपरांत पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संदेश दिया गया। इस अवसर पर 103 नीम के पौधे लगाकर लोगों को अधिक से अधिक पौधरोपण करने तथा पर्यावरण को सुरक्षित रखने का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम के दौरान एक्टिविस्ट सिंगल यूज प्लास्टिक भाई रंधीर ने कहा कि वृक्षारोपण पर्यावरण संरक्षण का सबसे प्रभावी माध्यम है। इस पौधरोपण अभियान में , नंद किशोर कापर, भास्कर कुमार, ज्ञानती देवी, आकाश कुमार, रोहित कुमार, अभिषेक कुमार सिंह, राजू सिंह, फूलो देवी, आयुष सिंह, अभिषेक कुमार सहित अन्य लोगों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी ने पौधों के संरक्षण का भी संकल्प लिया।

बगहा एसडीएम और एसडीएम का तबादला

प्रशांत अभिषेक नए अनुमंडल पदाधिकारी नियुक्त

बीएनएम@ बगहा: बिहार सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने रविवार को बिहार प्रशासनिक सेवा के 45 अधिकारियों का तबादला करते हुए नई पदस्थापन अधिसूचना जारी की। इस फेरबदल में बगहा अनुमंडल के अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) के पद पर भी बदलाव किया गया है। गोपालगंज सदर में अनुमंडलीय लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी के रूप में कार्यरत प्रशांत अभिषेक को बगहा का नया अनुमंडल पदाधिकारी नियुक्त किया गया है। वर्तमान एसडीएम चांदनी कुमारी का महज छह माह के भीतर ही स्थानांतरण कर दिया गया है।

दरवाजे पर सो रहे किसान की गोली मारकर हत्या

बीएनएम@ समस्तीपुर। जिले के उजियारपुर थाना क्षेत्र में अपराधियों ने घर के दरवाजे पर सो रहे एक किसान की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना रविवार देर रात थाना क्षेत्र के पचपैका वार्ड संख्या-7 की है। मृतक की पहचान राज नारायण सिंह के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।परिजनों के अनुसार राज नारायण सिंह अविवाहित थे । मृतक के भाई तेज नारायण सिंह ने बताया कि राज नारायण सिंह ने एक प्रेम-प्रसंग से जुड़े मामले में गवाही दी थी, जिसके बाद विरोधी पक्ष के कुछ लोगों को जेल जाना पड़ा था। आशंका जताई जा रही है कि इसी रंजिश में उनकी हत्या की गई है। उन्होंने बताया कि राज नारायण घर के बाहर दरवाजे पर सो रहे थे। देर रात अपराधियों ने उनके कान के पास गोली मार दी, जिससे घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। घटना के बाद गांव में लगे एक सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में रात करीब तीन बजे एक बाइक पर सवार दो संदिग्ध युवकों को तेज गति से भागते हुए देखा गया है। आशंका है कि वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों बदमाश उसी बाइक से फरार हुए। दलसिंहसराय डीएसपी विवेक कुमार शर्मा ने बताया किप्रथम दृष्टया मामला पुरानी रंजिश एवं एक मामले में गवाही देने से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि मामले का जल्द ही खुलासा कर दोषियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

युवक की हत्या के विरोध में बिशुनगंज में सड़क जाम

» टायर जलाकर किया विरोध, पुलिस के खिलाफ फूटा जनाक्रोश
» आरोपियों को फांसी देने की उठी मांग

बीएनएम@गयाजी। मगध मेडिकल थाना क्षेत्र में बीते दिनों हुए युवक गौतम कुमार की हत्या के मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। घटना से आक्रोशित मृतक के परिजनों और ग्रामीणों ने सोमवार को सुबह 8 बजे बिशुनगंज बाजार के पास सड़क जाम कर टायर जलाते हुए मगध मेडिकल थाना पुलिस के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष शामिल हुए और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए हत्या के नामजद आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी एवं उन्हें फांसी की सजा देने की मांग की। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि हत्या मामले में नामजद आरोपियों को पुलिस ने चार दिनों तक थाना में रखने के बाद पैसे लेकर छोड़ दिया। ग्रामीणों ने मगध मेडिकल थाना अध्यक्ष की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराई जाए तो सच्चाई सामने आ जाएगी। बिशुनगंज में सड़क जाम और टायर जलाकर प्रदर्शन करने के बाद सैकड़ों की संख्या में लोग मगध मेडिकल थाना पहुंचे। वहां थाना परिसर के बाहर भी लोगों ने जमकर हंगामा किया और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही सभी नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई और निष्पक्ष कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। परिजनों ने यह भी मांग की कि पूरे मामले की जांच किसी निष्पक्ष एजेंसी या वरीय पुलिस अधिकारी से कराई जाए। प्रशासन का कहना है कि मामले की जांच जारी है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बनकटवा के नए अंचल अधिकारी बने अजय कुमार रंजन, संभाला पदभार

बीएनएम@ बनकटवा

स्थानीय अंचल कार्यालय में सोमवार को नवपदस्थापित अंचल अधिकारी (सीओ) अजय कुमार रंजन ने विधिवत रूप से अपना पदभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने निवर्तमान अंचल अधिकारी अतुल कुमार बादल का स्थान लिया है, जिनका हाल ही में तबादला हो गया था। सीओ का पद रिक्त होने से पिछले कुछ समय से कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक कार्य प्रभावित हो रहे थे, लेकिन अब नए अधिकारी के आने से कार्यों में तेजी आने की उम्मीद जगी है। पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद सीओ अजय कुमार रंजन एक्शन मोड में नजर आए। उन्होंने कार्यालय के सभी राजस्व कर्मियों, अंचल निरीक्षकों और कर्मचारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने लंबित मामलों की विस्तृत समीक्षा की और निर्देश दिया कि राजस्व से जुड़े सभी कार्यों का निष्पादन पूरी पारदर्शिता और समयबद्ध तरीके से किया जाए। उन्होंने दाखिल-खारिज, परिमार्जन, लगान वसूली और 'अभियान बसेरा' जैसे कल्याणकारी कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही। अंचल अधिकारी ने स्पष्ट किया कि आम जनता को अपने राजस्व संबंधी कार्यों के लिए कार्यालय के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। उन्होंने कहा: "कार्यालय में पारदर्शिता, जवाबदेही और संवेदनशीलता के साथ काम होगा। भूमि विवादों का त्वरित समाधान हमारी मुख्य प्राथमिकताओं में शामिल है।" इसके साथ ही उन्होंने कर्मियों को आम लोगों के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार करने और लंबित फाइलों का शीघ्र निपटारा करने का निर्देश दिया। इस मौके पर अंचल कार्यालय के तमाम कर्मचारियों ने नए सीओ का स्वागत किया और जनहित के कार्यों में पूर्ण सहयोग का भरोसा दिया। स्थानीय निवासियों को भी उम्मीद है कि अब उनके रुके हुए मामलों का जल्द समाधान होगा।

बीच रास्ते में खराब हुई वंदे भारत एक्सप्रेस

» मालगाड़ी के इंजन से खींचकर पहुंची पटना

बीएनएम@ पटना

रांची से पटना आने वाली प्रीमियम वंदे भारत एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 22350) बीच रास्ते में तकनीकी खराबी का शिकार हो गई। इंजन में आई खराबी के कारण ट्रेन निर्धारित समय पर आगे नहीं बढ़ सकी। अंततः रेलवे ने मालगाड़ी का इंजन लगाकर ट्रेन को बरकाकाना, गया होते हुए पटना पहुंचाया। करीब साढ़े तीन घंटे की देरी से ट्रेन सोमवार देर रात लगभग 1:30 बजे पटना जंक्शन पहुंची। इस दौरान सैकड़ों यात्रियों को लंबा इंतजार और भारी परेशानी झेलनी पड़ी। जानकारी के अनुसार, वंदे भारत एक्सप्रेस रविवार शाम करीब 4:15 बजे रांची जंक्शन से पटना के लिए रवाना हुई थी। मेसरा स्टेशन के पास पहुंचते ही ट्रेन के इंजन में तकनीकी खराबी आ गई। बताया गया कि एमआर प्रेशर सिस्टम में समस्या आने के कारण ट्रेन आगे बढ़ने में असमर्थ हो गई। लोको पायलट और तकनीकी कर्मचारियों ने मौके पर खराबी दूर करने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली।इसके बाद ट्रेन को धीमी गति से बरकाकाना जंक्शन तक लाया गया, जहां वह करीब एक घंटे तक खड़ी रही। रेलवे के तकनीशियन भी इंजन की खराबी को मौके पर ठीक नहीं कर सके। स्थिति को देखते हुए रेलवे अधिकारियों ने मालगाड़ी का इंजन मंगवाकर उसे वंदे भारत एक्सप्रेस से जोड़ा, जिसके बाद ट्रेन को गया होते हुए पटना के लिए रवाना किया गया।

शिवहर पुलिस ने किसान हत्याकांड का किया खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम@ शिवहर/तरियानी

तरियानी थाना क्षेत्र के छतोनी टोले घुसुकपुर में किसान साहब राय (55) की गला दबाकर हत्या के मामले का शिवहर पुलिस ने त्वरित खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित विशेष अनुसंधान दल (SIT) ने वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्यों, मानवीय सूचना और गहन जांच के आधार पर यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, 12 जुलाई को घटना की सूचना मिलते ही तरियानी थाना पुलिस एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मौके पर पहुंचे। एफएसएल (FSL) और डीआईयू (DIU) की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए। मृतक की पत्नी कौशल्या देवी के लिखित आवेदन पर तरियानी थाना कांड संख्या 219/26 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 103(1) एवं 3(5) के तहत जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने हंसलाल राय, सुरेंद्र राय और नगिना राय को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि मामले के अन्य पहलुओं की भी गहन जांच की जा रही है तथा फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी जारी है। शिवहर पुलिस ने कहा है कि जिले में अपराध और अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

एसएसबी ने सीमावर्ती महिलाओं के लिए 30 दिवसीय सिलाई प्रशिक्षण का किया शुभारंभ

बीएनएम@ रक्सौल

47वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने नागरिक कल्याण कार्यक्रम (वित्तीय वर्ष 2026-27) के तहत बाह्य सीमा चौकी महादेवा के कार्यक्षेत्र स्थित ग्राम महादेवा में 15 महिलाओं के लिए 30 दिवसीय सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का उद्देश्य सीमावर्ती महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना, उनका आत्मविश्वास बढ़ाना तथा उन्हें स्वरोजगार के लिए सक्षम करना है, ताकि वे घरेलू स्तर पर रोजगार शुरू कर परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकें। प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर 47वीं वाहिनी एसएसबी के उप कमांडेंट नवीन कुमार साह ने महिलाओं को प्रशिक्षण का पूरा लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि एसएसबी सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा के साथ-साथ नागरिक कल्याण एवं कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए भी लगातार कार्य कर रही है। इस अवसर पर उप कमांडेंट रवि प्रताप वर्मा, सरपंच प्रतिनिधि वामिक हुसैन (ग्राम पंचायत नोनियाडीह), महादेवा समवाय प्रभारी निरीक्षक सही राम, राजकीय मध्य विद्यालय महादेवा के प्रभारी प्रधानाध्यापक सर्वेश सिंह पटेल, स्थानीय नागरिक, प्रशिक्षण में भाग ले रही महिलाएं तथा 47वीं वाहिनी एसएसबी के जवान उपस्थित रहे।

रामगढ़वा के सरकारी स्कूल में महिला शिक्षिकाएं गढ़ रहीं शिक्षा की नई मिसाल, संस्कार के साथ मिल रही गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई

बीएनएम@ विजय कुमार

रामगढ़वा। सरकारी विद्यालयों में शिक्षा की अलख जगाने में महिला शिक्षिकाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। रामगढ़वा प्रखंड के राजकीय प्राथमिक विद्यालय, खोड़वा में इसका सजीव उदाहरण देखने को मिल रहा है, जहां शिक्षिकाओं के समर्पण और मेहनत से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ बेहतर संस्कार भी दिए जा रहे हैं। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका मिनहाज यासमीन ने बताया कि विद्यालय में कुल पांच शिक्षक कार्यरत हैं, जिनमें चार महिला शिक्षिकाएं और एक पुरुष शिक्षक शामिल हैं। यहां कक्षा एक से पांच तक के छात्र-छात्राओं को शिक्षा प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल पाठ्यक्रम पूरा कराना नहीं, बल्कि बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है। पढ़ाई के साथ उन्हें अच्छे संस्कार, अनुशासन और स्वच्छता की सीख भी दी जाती है, ताकि वे भविष्य में शिक्षित होने के साथ जिम्मेदार नागरिक बन सकें। साथ ही मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता और बच्चों के पोषण पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। विद्यालय की शिक्षिका लूसी नाज बच्चों को उनकी समझ के अनुरूप सरल और सहज तरीके से पढ़ाकर शिक्षा के प्रति उनकी रुचि बढ़ा रही हैं। वहीं सादिया तस्नीम अपनी रचनात्मक शिक्षण शैली के माध्यम से बच्चों को सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए तैयार करती हैं। शिक्षिका अर्चना कुमारी विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के साथ विद्यालय परिसर की स्वच्छता व्यवस्था पर विशेष निगरानी रखती हैं। वहीं वरिष्ठ शिक्षक विश्वनाथ राम प्रतिदिन प्रार्थना सभा के दौरान व्यायाम, परेड और राष्ट्रगान का अभ्यास कराकर बच्चों में अनुशासन, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और देशभक्ति की भावना विकसित करते हैं। प्रधानाध्यापिका मिनहाज यासमीन ने कहा कि महिला शिक्षिकाओं की लगन, समर्पण और टीमवर्क का ही परिणाम है कि अभिभावकों का विद्यालय के प्रति विश्वास लगातार बढ़ रहा है और वे अपने बच्चों को पूरे भरोसे के साथ यहां शिक्षा ग्रहण करने के लिए भेज रहे हैं।

18 पुलिस कर्मियों को सहायक अवर निरीक्षक के पद पर पदोन्नति

बीएनएम@ समस्तीपुर

पुलिस अधीक्षक अरविन्द प्रताप सिंह के नेतृत्व में आयोजित एक समारोह में प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरांत जिला बल के 18 पुलिस कर्मियों को सहायक अवर निरीक्षक (एएसआई) के पद पर पदोन्नत किया गया।समारोह के दौरान पुलिस अधीक्षक ने सभी पदोन्नत अधिकारियों को अपने हाथों से एएसआई का बैच (स्टार) लगाकर नई जिम्मेदारियों का दायित्व सौंपा।अपने संबोधन में पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पदोन्नति के साथ जिम्मेदारियां भी बढ़ जाती हैं। उन्होंने सभी नवनियुक्त एएसआई को निर्देश दिया कि वे कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराध नियंत्रण, पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने तथा आम जनता के साथ संवेदनशील एवं सम्मानजनक व्यवहार को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बनाएं। समारोह में उपस्थित पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने पदोन्नत अधिकारियों का उत्साहवर्धन किया। वहीं, सभी नवनियुक्त सहायक अवर निरीक्षकों ने पूरी ईमानदारी, निष्पक्षता और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए समस्तीपुर पुलिस की प्रतिष्ठा को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प लिया।

सत्यम कुमार सिंह एवं आयशा सिंह बने जीएमआरडी कॉलेज के रेड रिबन क्लब के ब्रांड एंबेसेडर

बीएनएम@ समस्तीपुर

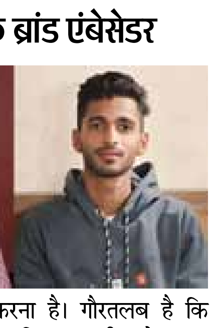

बिहार राज्य एड्स कंट्रोल सोसाइटी, पटना के तत्वावधान में आयोजित होने वाली रेड रन प्रतियोगिता-2026 के सफल संचालन एवं युवाओं में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से जीएमआरडी कॉलेज, मोहनपुर ने एक छात्र एवं एक छात्रा को रेड रिबन क्लब का ब्रांड एंबेसेडर नामित किया है। इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए सत्यम कुमार सिंह एवं आयशा सिंह का चयन किया गया है।रेड रिबन क्लब के माध्यम से दोनों ब्रांड एंबेसेडर युवाओं एवं आमजन के बीच एचआईवी/एड्स, किशोर स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य तथा अन्य युवा स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर जागरूकता अभियान चलाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। इस पहल का मुख्य उद्देश्य स्वस्थ, जागरूक एवं जिम्मेदार समाज का निर्माण करना है। गौरतलब है कि समस्तीपुर जिला स्तरीय रेड रन प्रतियोगिता-2026 का आयोजन 21 जुलाई को जीएमआरडी कॉलेज, मोहनपुर के फुटबॉल स्टेडियम में किया जाएगा, जिसकी तैयारियां महाविद्यालय स्तर पर जोर-शोर से चल रही हैं।दोनों छात्रों के चयन पर महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) विधान चन्द्र भारती, जिला नोडल पदाधिकारी (रेड रिबन क्लब) डॉ. लक्ष्मण यादव, महाविद्यालय के सभी शिक्षकगण, शिक्षकेतर कर्मचारी, छात्र-छात्राओं, स्वयंसेवकों एवं समाजसेवियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी।

हार्ट अटैक मरीज की मौत के बाद हरकत में प्रशासन, एसडीओ मंगला कुमारी ने पताही सीएचसी का किया औचक निरीक्षण

बीएनएम@ पताही

हार्ट अटैक पीड़ित मरीज की इलाज के दौरान हुई मौत के बाद उठे सवालों के बीच पकड़ीदयाल की अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) मंगला कुमारी ने सोमवार को पताही सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी) का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं, ऑक्सीजन व्यवस्था, दवा उपलब्धता, चिकित्सा उपकरणों और साफ-सफाई का जायजा लेते हुए अस्पताल प्रशासन को आवश्यक निर्देश दिए। गौरतलब है कि कुछ दिन पूर्व हार्ट अटैक से पीड़ित एक मरीज की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया था कि समय पर पर्याप्त ऑक्सीजन उपलब्ध नहीं होने के कारण मरीज की जान चली गई। इस आरोप के बाद अस्पताल परिसर में हंगामा हुआ था और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीओ मंगला कुमारी स्वयं सीएचसी पहुंचीं। उन्होंने इमरजेंसी वार्ड, ऑक्सीजन आपूर्ति प्रणाली, दवा भंडार, प्रसव कक्ष, विभिन्न वार्डों और मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसडीओ ने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति, ऑक्सीजन की उपलब्धता, चिकित्सा उपकरणों की स्थिति और मरीजों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि अस्पताल आने वाले प्रत्येक मरीज को समय पर बेहतर उपचार उपलब्ध कराया जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सूत्रों के अनुसार, अस्पताल की व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ बनाने तथा आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए नियमित निगरानी जारी रखने की बात कही है। एसडीओ के औचक निरीक्षण के बाद अस्पताल प्रशासन में हलचल तेज हो गई। वहीं स्थानीय लोगों ने उम्मीद जताई कि इस कार्रवाई से अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा और भविष्य में मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी।

आपराधिक लापरवाही का संकेत

मंदिर का प्रशासनिक तंत्र पारदर्शिता और आंतरिक नियंत्रण के मोर्चे पर बुरी तरह विफल रहा। कड़ी सुरक्षा के बावजूद इस तरह के कृत्य का होना आपराधिक मिलीभगत या कम-से-कम आपराधिक लापरवाही का संकेत है। मुकदमा दर्ज होने और आठ लोगों की गिरफ्तारी के साथ इसकी पुष्टि हो गई है कि अयोध्या के राम मंदिर में करोड़ों रुपये की चढ़ावा चोरी हुई। पुलिस ने आरोपियों के ठिकानों से लगभग 80 लाख रुपये बरामद करने का दावा भी किया है। यह मंदिर की पवित्रता को कलंकित करने वाला ऐसा कांड है, जिससे करोड़ों हिंदू श्रद्धालु खुद को ठगा गया महसूस कर रहे हैं। चढ़ावे में हेराफेरी को केवल वित्तीय भ्रष्टाचार का मामला नहीं माना जा सकता, बल्कि यह करोड़ों श्रद्धालुओं साथ घोर विश्वासघात भी है। जिस मंदिर की सुरक्षा को अभेद्य और जहां की निगरानी व्यवस्था को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बताया जाता हो, वहां दानपात्रों से चढ़ावे की चोरी ना सिर्फ प्रबंधन की घोर लापरवाही को उजागर करता है, बल्कि इससे प्रबंधन से जुड़ी बड़ी शख्सियतों की मंशा और ईमानदारी पर भी गंभीर सवाल खड़े होते हैं। अब तक जिन पर मुकदमा दायर हुआ है, वे प्रबंधन से जुड़े कर्मचारी हैं। जैसाकि कई साधु-संतों ने कहा है कि इतना बड़ा घोटाला अदने कर्मचारियों अंजाम दे दें, यह बात गले नहीं उतरती। इसीलिए राम जन्म भूमि न्यास के बड़े पदाधिकारियों की ना सिर्फ नैतिक, बल्कि अन्य रूपों में उनकी जवाबदेही बनती है। यह स्पष्ट है कि मंदिर का प्रशासनिक तंत्र पारदर्शिता और आंतरिक नियंत्रण के मोर्चे पर बुरी तरह विफल रहा। फिर इसकी अनदेखी भी नहीं की जा सकती कि मंदिर के लिए जमीन खरीद से लेकर, चंदे, निर्माण कार्यों, और अब चढ़ावा में घपले और ख़यानत के इल्ज़ाम लगे हैं। सीसीटीवी कैमरों की निगरानी और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद इस तरह के कृत्य का होना वहां आपराधिक मिलीभगत या कम-से-कम आपराधिक लापरवाही का संकेत है। इसलिए इस आशंका में दम है कि कार्रवाई को सतही पड़ताल तक सीमित रखने और या निचले स्तर के कर्मचारियों पर ठीकरा फोड़ कर मामले को निपटा देने की कोशिश हो सकती है। लेकिन जरूर याद रखना चाहिए है कि सभी दोषियों को सख्त सजा नहीं दी गई, तो यह 'चढ़ावा कांडÓ ना केवल अयोध्या के प्रबंधन, बल्कि धर्म के नाम पर बनी तमाम संस्थाओं की साख को हमेशा के लिए संदिग्ध बना देगा।

अन्न से ऊर्जा तक आत्मनिर्भर भारत की नई क्रांति का नाम है ई-20

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारतीय इतिहास के सबसे कठिन अध्यायों में वर्ष 1965-66 का वह दौर गिना जाता है, जब देश की जनसंख्या तेजी से बढ़ रही थी, किंतु खेतों की पैदावार उतनी नहीं थी कि हर नागरिक का पेट भर सके। भारत को अमेरिका से पीएल-480 (PL-480) योजना के तहत गेहूं आयात करना पड़ता था। विदेशी जहाजों पर आने वाले अनाज का इंतजार करना उस समय की मजबूरी थी। तब शायद ही किसी ने कल्पना की होगी कि यही भारत कुछ दशकों बाद दुनिया के सबसे बड़े खाद्यान्न उत्पादक देशों में शामिल होगा और कई देशों को अनाज निर्यात भी करेगा।

अब प्रश्न यह है कि क्या यह परिवर्तन किसी चमत्कार से आया ? निश्चित ही नहीं, चमस्कार नहीं श्रम एवं वैज्ञानिक परिश्रम से अवश्य आया था। इसके पीछे वर्षों तक चले वैज्ञानिक अनुसंधान, दूरदर्शी नीतियां, किसानों का परिश्रम रहा है। आज भारत एक बार फिर उसीप्रकार के परिवर्तन के दौर से गुजर रहाहै। फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार चुनौती भोजन की न होकर ऊर्जा जरूरतों की है।

फिलहाल देश का जो परिदृष्य है, वह पहले कभी खाद्यान्न के लिए विदेशों पर निर्भर रहने के समान ही मौजूद है। आज भी अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए लगभग 88 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करना पड़ रहा है। यही कारण है कि जब भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं, उसका सीधा प्रभाव भारत की अर्थव्यवस्था, विदेशी मुद्रा भंडार और आम नागरिक की जेब पर पड़ता है।

ऐसे समय में ई20 अर्थात 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल कहना होगा कि एक नया ईंधन भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता की उस लंबी यात्रा का प्रारंभिक चरण है, जो आने वाले वर्षों में देश की आर्थिक और रणनीतिक स्थिति को बदल सकता है। दुर्भाग्य यह है कि जिस पहल को उसके व्यापक राष्ट्रीय संदर्भ में समझा जाना चाहिए, वह सोशल मीडिया पर फैली अधूरी जानकारियों और भ्रामक दावों के कारण विवाद का विषय बनती जा रही है।

जब हर नई पहल का विरोध हुआ, लेकिन समय ने उसे सही साबित कियाः

भारतीय विकास यात्रा का इतिहास बताता है कि लगभग हर बड़े परिवर्तन का प्रारंभ संदेह और विरोध के बीच हुआ। जब हरित क्रांति शुरू हुई, तब भी अनेक विशेषज्ञों ने आशंका जताई थी कि नई किस्म के बीज और रासायनिक उर्वरक भारतीय खेती को नुकसान पहुंचाएंगे। जब श्वेत क्रांति की शुरुआत हुई तो यह कहा गया कि गांवों में संगठित दुग्ध उत्पादन संभव नहीं होगा। डिजिटल भुगतान प्रणाली आई तो अनेक लोगों ने इसे अव्यावहारिक बताया। आज यही भारत दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल भुगतान नेटवर्क का संचालन कर रहा है।

इसी प्रकार एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को लेकर भी अनेक आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं। कोई इसे पुराने वाहनों के लिए नुकसानदायक बता रहा है, कोई इसे इंजन खराब करने वाला ईंधन कह रहा है, तो कोई इसे केवल सरकारी प्रयोग बताकर खारिज करने का प्रयास कर रहा है, लेकिन यदि तथ्यों और वैज्ञानिक अध्ययनों पर नजर डालें तो तस्वीर बिल्कुल अलग दिखाई देती है।

ई20 कोई प्रयोग नहीं, 25 वर्षों की सुनियोजित तैयारी का परिणामः

अक्सर ऐसा प्रचार किया जाता है कि भारत ने अचानक पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिलाने का निर्णय ले लिया, जबकि वास्तविकता यह है कि इस दिशा में काम वर्ष 2001 में ही शुरू हो गया था। सबसे पहले सीमित स्तर पर एथेनॉल मिश्रण का परीक्षण किया गया। वर्ष 2004 में इसे औपचारिक कार्यक्रम का स्वरूप मिला और 2006 तक कई राज्यों में पांच प्रतिशत मिश्रण वाला ईंधन उपलब्ध कराया जाने लगा,

उसके बाद भी सरकार ने जल्दबाजी नहीं दिखाई। लगभग दो दशकों तक उत्पादन क्षमता बढ़ाने, वैज्ञानिक परीक्षण करने, ऑटोमोबाइल कंपनियों से परामर्श लेने, नई डिस्टिलरियां स्थापित करने और किसानों को एथेनॉल उत्पादन से जोड़ने की दिशा में लगातार काम किया गया। वर्ष 2018 की राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति और 2021 में जारी ई20 रोडमैप इस पूरी प्रक्रिया के महत्वपूर्ण पड़ाव बने। यानी जिस निर्णय को आज लोग अचानक लागू हुई नीति समझ रहे हैं, उसके पीछे लगभग पच्चीस वर्षों की तैयारी, हजारों करोड़ रुपये का निवेश और हजारों वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, कृषि विशेषज्ञों तथा उद्योग जगत का साझा प्रयास है।

ऊर्जा सुरक्षा क्यों बन गई राष्ट्रीय आवश्यकता?ः भारत आज विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। उद्योग बढ़ रहे हैं, वाहन बढ़ रहे हैं, सड़कें बढ़ रही हैं और ऊर्जा की मांग भी लगातार बढ़ रही है, किंतु इसके साथ एक बड़ी चुनौती भी जुड़ी हुई है, वह है कच्चे तेल का आयात।

देश अपनी आवश्यकता का अधिकांश कच्चा तेल विदेशों से खरीदता है। इसका अर्थ यह है कि पश्चिम एशिया में युद्ध हो, वैश्विक आपूर्ति बाधित हो या अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें बढ़ जाएं, उसका सीधा असर भारत पर पड़ता है। यही कारण है कि ऊर्जा आत्मनिर्भरता आज राष्ट्रीय सुरक्षा का भी विषय बन चुकी है। यहीं से ई20 जैसी पहल का महत्व बढ़ जाता है। यदि पेट्रोल का 20 प्रतिशत हिस्सा भारत के खेतों से उत्पादित एथेनॉल से पूरा होने लगे तो विदेशी तेल पर निर्भरता धीरे-धीरे कम होगी। इससे विदेशी मुद्रा की बचत होगी, किसानों को नया बाजार मिलेगा और ऊर्जा आपूर्ति का एक बड़ा हिस्सा देश के भीतर ही तैयार होगा।

अन्नदाता से ऊर्जादाता बनने की शुरुआतः वास्तव में इस बात के लिए सभी को खुश होना चाहिए कि भारत के किसान दशकों से देश का पेट भरते आए हैं। अब पहली बार उन्हें ऊर्जा अर्थव्यवस्था का भी महत्वपूर्ण भागीदार बनाया जा रहा है। गन्ने के साथ-साथ मक्का, चावल और अन्य कृषि आधारित स्रोतों से बनने वाला एथेनॉल किसानों की आय का नया माध्यम बन रहा है। यह परिवर्तन ग्रामीण भारत को देश की ऊर्जा सुरक्षा से जोड़ने का प्रयास है। जिस प्रकार हरित क्रांति ने किसानों को खाद्यान्न उत्पादन का नायक बनाया था, उसी प्रकार एथेनॉल मिशन उन्हें ऊर्जा उत्पादन का भी सहभागी बना रहा है।

सोशल मीडिया के शोर से परे वैज्ञानिक दृष्टि की आवश्यकताः आज सूचना का सबसे बड़ा स्रोत सोशल मीडिया बन गया है, किंतु यही सबसे बड़ा भ्रम भी पैदा कर सकता है। किसी एक व्यक्ति का व्यक्तिगत अनुभव पूरे देश की वास्तविकता नहीं हो सकता। सार्वजनिक नीति का मूल्यांकन वैज्ञानिक परीक्षणों, संस्थागत अध्ययनों और व्यापक आंकड़ों के आधार पर किया जाता है। ई20 को लेकर भी यही दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। इसे किसी राजनीतिक बहस या सोशल मीडिया ट्रेंड के रूप में देखने के बजाय भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा नीति के रूप में समझना होगा। जिस प्रकार हरित क्रांति के परिणाम एक-दो वर्ष में नहीं दिखाई दिए थे, उसी प्रकार ऊर्जा आत्मनिर्भरता की यह यात्रा भी धैर्य, वैज्ञानिक सोच और निरंतर निवेश की मांग करती है।

क्या पुराने वाहनों को नुकसान पहुंचाता है ई20?ः ई20 को लेकर सबसे बड़ी आशंका यही व्यक्त की जाती है कि इससे पुराने वाहनों के इंजन खराब हो जाएंगे। सोशल मीडिया पर ऐसे अनेक वीडियो और संदेश प्रसारित किए जा रहे हैं जिनमें दावा किया जाता है कि एथेनॉल इंजन, रबर पाइप और फ्यूल सिस्टम को नुकसान पहुंचाता है, लेकिन जब इन दावों की तुलना वैज्ञानिक परीक्षणों और वास्तविक आंकड़ों से की जाती है तो तस्वीर अलग दिखाई देती है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार ई20 लागू करने से पहले 40 हजार किलोमीटर से अधिक व्यापक परीक्षण किए गए। इन परीक्षणों में इंजन की कार्यक्षमता, रबर पार्ट्स, फ्यूल लाइन, धातु पर जंग, उत्सर्जन, ईंधन दक्षता और टिकाऊपन जैसे सभी पहलुओं की जांच की गई। परीक्षणों में ऑटोमोबाइल उद्योग, अनुसंधान संस्थानों तथा तेल कंपनियों की भी सक्रिय भागीदारी रही। इतना ही नहीं, करोड़ों वाहनों की सर्विसिंग के दौरान भी ई20 के कारण इंजन खराब होने या बड़े स्तर पर तकनीकी समस्या के प्रमाण नहीं मिले। यदि वास्तव में यह ईंधन व्यापक रूप से नुकसानदायक होता तो वाहन कंपनियों के पास लाखों वारंटी क्लेम आते और पूरे ऑटोमोबाइल उद्योग में गंभीर संकट खड़ा हो जाता। ऐसा नहीं हुआ। इससे स्पष्ट होता है कि व्यक्तिगत अनुभव और वैज्ञानिक निष्कर्षों के बीच अंतर समझना आवश्यक है।

माइलेज का सवालः ई20 को लेकर दूसरा बड़ा तर्क माइलेज का दिया जाता है। सरकार स्वयं स्वीकार करती है कि कुछ वाहनों में तीन से पांच प्रतिशत तक माइलेज कम हो सकता है, किंतु क्या किसी ईंधन का मूल्यांकन केवल माइलेज के आधार पर किया जा सकता है? क्योंकि एथेनॉल की ऑक्टेन रेटिंग अधिक होती है। इससे इंजन में बेहतर दहन होता है, एंटी-नॉक क्षमता बढ़ती है, इंजन की कार्यक्षमता सुधरती है और प्रदूषण कम होता है। भविष्य में जैसे-जैसे वाहन निर्माता E20 को ध्यान में रखकर इंजन डिजाइन करेंगे, वैसे-वैसे प्रदर्शन और बेहतर होने की संभावना है। इसलिए E20 को केवल माइलेज के चश्मे से देखना उसके व्यापक लाभों की अनदेखी करना होगा।

पेट्रोल सस्ता क्यों नहीं हुआ?ः आम नागरिक का यह प्रश्न पूरी तरह स्वाभाविक है कि यदि पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिलाया जा रहा है तो कीमत कम क्यों नहीं हुई? दरअसल, यह धारणा पूरी तरह सही नहीं कि एथेनॉल हमेशा पेट्रोल से सस्ता होता है। भारत में एथेनॉल की खरीद किसानों को उचित मूल्य देने की नीति के तहत की जाती है। इसके साथ परिवहन, भंडारण, गुणवत्ता परीक्षण और कर जैसे कई खर्च जुड़े होते हैं, इसलिए अनेक परिस्थितियों में इसकी वास्तविक लागत पेट्रोल के बराबर या उससे अधिक भी हो सकती है।

एक भी शहर स्मार्ट सिटी के तौर पर विकसित नहीं

हरिशंकर व्यास

भारत के अंदर दो भारत की बात करें तो आर्थिक व सामाजिक आधार पर दो विभाजन के साथ साथ भौगोलिक विभाजन के आधार पर भी दो भारत दिखेंगे। यह विभाजन उत्तर और दक्षिण भारत का है। हर मामले में दोनों भौगोलिक इलाकों का अंतर साफ दिखाई देगा। उत्तर भारत या हिंदी पट्टी से बड़ी संख्या में लोग चेन्नई के शंकर नेत्रालय में इलाज के लिए जाते हैं। वहां से लौट कर हर व्यक्ति दक्षिण जाने वाली ट्रेनों की व्यवस्था, साफ सफाई का जिक्र करेगा और यह भी बताएगा कि अस्पताल कितना अच्छा है। दक्षिण के मंदिरों में जाकर लौटने वाले तो उनका गुणगान करते नहीं थकते हैं। खासतौर पर मंदिर की व्यवस्था और सफाई की। लेकिन सवाल है कि मंदिर या अस्पताल या ट्रेन की व्यवस्था उत्तर भारत में भी बेहतर क्यों नहीं हो सकती है? वैसी ही सफाई उत्तर भारत में भी क्यों नहीं होती? यह बुनियादी अंतर कई चीजों में दिखाई देता है। अगर सिर्फ इस सदी के 25 साल की बात करें तो उत्तर और दक्षिण के दो बुनियादी रूप से अलग भारत की तस्वीर और साफ दिखेगी। इस सदी में ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था और आईटी क्रांति के इर्द गिर्द जैसा काम दक्षिण में हुआ है उसके मुकाबले उत्तर भारत में कुछ नहीं हुआ। दक्षिण में होड़ लगा कर बेंगलुरू और हैदराबाद ने काम किया। यह बहस छिड़ी कि भारत का सिलिकॉन वैली किस शहर को कहा जाए। इस तरह की कोई होड़ उत्तर भारत के राज्यों में नहीं दिखी। एक तरफ कर्नाटक और आंध्र प्रदेश आईटी और आईटी आधारित सेवाओं की इंडस्ट्री को प्रमोट कर रहे थे तो तमिलनाडु ने दूसरी औद्योगिक इकाइयों को प्रमोट किया। चेन्नई से चारों दिशाओं में सौ किलोमीटर के दायरे में देशी, विदेशी कंपनियों के अनगिनत प्लांट लगे हैं। उधर केरल ने अपने यहां शिक्षा व स्वास्थ्य की सबसे अच्छी व्यवस्था विकसित की। दक्षिण में पिछली एक चौथाई सदी में कई शहर बस गए और कई नए शहर बसाए जा रहे हैं। तेलंगाना में रेवंत रेड्डी की सरकार फोर्थ सिटी

बसा रही है। हैदराबाद, सिकंदराबाद और साइबराबाद के बाद अब रंगारेड्डी जिले में फ्यूचर सिटी के नाम से चौथा शहर बस रहा है। इसके लिए 50 हजार एकड़ जमीन लेकर शहर विकसित किया जा रहा है। इस फ्यूचर सिटी में एआई सिटी, हेल्थ सिटी, एंटरटेनमेंट डिस्ट्रिक्ट और स्पोर्ट्स हब अलग अलग बनाए जा रहे हैं। शहर का अपना मेट्रो और रैपिड रेल सिस्टम होगा। यह एक ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट है यानी पूरी तरह से नया शहर विकसित किया जा रहा है। इसे नेट जीरो की तर्ज पर बसाया जा रहा है यानी शून्य कार्बन उत्सर्जन होगा। इस पर कई लाख करोड़ रुपए खर्च होंगे और बनने से पहले ही दुनिया की तमाम बड़ी कंपनियों ने वहां लाखों करोड़ के निवेश का समझौता कर लिया है। इसी तरह आंध्र प्रदेश में नई राजधानी के तौर पर विजयवाड़ा को विकसित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को नए शहर विकसित करने का अनुभव है। विजयवाड़ा के साथ साथ वे विशाखापत्तनम को भी नए सिरे से विकसित कर रहे हैं। बंदरगाह के साथ साथ विशाखापत्तनम अब डाटा सेंटर का हब बन रहा है। इसके मुकाबले उत्तर भारत में राज्यों की राजधानियों के आसपास सेटेलाइट शहर बनाने की घोषणाएं हो रही है, जिनका मकसद सिर्फ जमीन के दाम बढ़ाना है। जो नए शहर बसाए गए चाहे वह नोएडा हो या गुरुग्राम उनकी हालत धीरे धीरे नर्क से बदतर होती जा रही है। पानी निकासी जैसी बुनियादी सुविधाएं नहीं हैं। बिना किसी योजना के उनके विकास है। सोचें, सेटेलाइट शहर बसाने के लिए उत्कर भारत में पांच सौ और हजार करोड़ रुपए का बजट घोषित होता है। यह वैसे ही जैसे प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने स्मार्ट सिटी की योजना घोषित की थी। इसके तहत एक एक हजार करोड़ रुपए दिए जाने की खबर आई। इतनी रकम में एक या दो अच्छे फ्लाइओवर बन जाएं तो वह बड़ी बात होगी। तभी एक भी शहर स्मार्ट सिटी के तौर पर विकसित नहीं हुआ है।

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। आज आपके परिवारजन आपसी सामंजस्य द्वारा घर की किसी समस्या का हल निकालने में सफल होंगे , घर में ख़ुशी का माहौल बना रहेगा। आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं। राजनीतिक और सामाजिक गतिविधियों में आपका खास योगदान रहेगा। इस राशि के जो लोग सीड्स और पेस्टिसाइट्स के व्यवसाय से जुड़े हैं उनके लिए दोगुना लाभ सुयोग बन रहे हैं।

वृष राशि : आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज कुछ समय व्यक्तिगत कार्यों में बिताने से आप अपने आपको ऊर्जा से भरपूर महसूस पाएंगे। सामाजिक गतिविधियों में भी रुझान बढ़ेगा। फाइनेंस संबंधी काम समय पर निपटा लेंगे।काफी दिनों से चल रहे लोन की ईएमआई आज पूरी हो जाएगी और आपको कर्ज के दर्द से मुक्ति मिलेगी।

मिथुन राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए आज आपको कुछ अच्छे मौके मिल सकते हैं। टेक्नॉलॉजी की पढ़ाई कर रहे छात्रों को आज जॉब के लिए ऑफर आ सकता है। दफ्तर का पुराना उलझा हुआ मामला आज सुलझ जाएगा। बच्चों द्वारा शुभ समाचार मिलने से घर में ख़ुशी का माहौल रहेगा।

कर्क राशि : आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आप सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे। बच्चों को आज पढ़ाई में मन लगाने और अपना टाइम टेबल पुनर्निर्धारित करने की जरूरत है। कृषक वर्ग को आज सरकारी योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। धार्मिक और आध्यात्मिक क्षेत्र से जुड़ी गतिविधियों में भी कुछ समय बीतेगा।

सिंह राशि : आज का दिन आपके जीवन यादगार रहेगा। आज व्यापार में किसी ऐसी कंपनी के साथ डील फाइनल होगी, जो आपको उम्मीद से अधिक फायदा करायेगी। पारिवारिक और व्यवसायिक मैनेजमेंट अच्छा रहेगा। आज घर में परिवार जनों के साथ मिल-जुलकर कुछ घर के नवीनीकरण व साज-सज्जा को लेकर कुछ विचार-विमर्श करेंगे। आज अपने दोस्त की किसी बात का बुरा ना माने, दोस्ती मजबूत होगी।

कन्या राशि : आज आपका दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप अपनी योग्यता के बल पर ऐसा फैसला ले सकते हैं कि आपको खुद ही आश्चर्य होगा। आज आपको किसी भी प्रकार के कोर्ट कचहरी के मामले से दूर रहने की आवश्यकता है। आज बिना सोचे-समझे किसी अजनबी पर भरोसा ना करें।

तुला राशि : आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज सरकारी कामों में कुछ अनुभवी लोगों की राय लेने से आपका काम आसान हो जायेगा। अपने काम को नया रूप देने के लिए कुछ नई योजनाएं बनाएंगे, जो आपके लिए फायदेमंद होंगी। रचनात्मक गतिविधियों में रुचि लेंगे और अपने व्यक्तित्व में निखार लाने का प्रयास करेंगे। आज आपका अपने व्यक्तित्व और रहन-सहन के प्रति अधिक सजग रहना लोगों के बीच आकर्षण का कारण बनेगा।

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन अच्छे खुशनुमा पलों से भरा रहेगा। बेवजह के कामों में अपना समय बर्बाद न करके रुका हुआ काम अगर फिर से शुरू करेंगे, तो फायदा हो सकता है। आज व्यस्तता से भरी दिनचर्या रहेगी, फिर भी आप अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभा लेंगे। आज घर में खास मेहमानों के आने से खुशी भरा माहौल रहेगा।

धनु राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। कॉलेज में नए दोस्त बनेंगे जिनसे आपका अच्छा ताल मेल बनेगा। इलेक्ट्रॉनिक्स के व्यापारियों का कारोबार तेजी से आगे बढ़ेगा। आज काम करने के तरीकों में बदलाव न करके मौजूदा स्थिति पर ही फोकस करेंगे। आज बिजनेस के कामों में फैसला लेते वक्त परिवार वालों की सलाह जरूर लें, आपको उचित समाधान मिलेगा।

मकर राशि : आज आपको किसी अपने से अच्छी खबर मिलने के योग बने हुए हैं। आज अपने बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए उनका प्रोत्साहन करेंगे। आज आपका बिजनेस अच्छी गति से आगे बढ़ेगा, जिससे अधिक मुनाफा होगा। नौकरी कर रहे लोगों को भी अपनी जॉब से संबंधित महत्वपूर्ण सूचना मिल सकती है।

कुंभ राशि : आज रुका हुआ आय का स्रोत फिर शुरू हो सकता है। किसी भी काम को करने से पहले अनुभवी लोगों से सलाह-मशविरा जरूर करें। काफी दिनों से अटका हुआ दस्तावेज संबंधी राजकीय काम काज आज किसी उच्चाधिकारी के सहयोग से पूरा हो जाएगा। आज राजनीतिक व सामाजिक संपर्क सूत्र आपके लिए फायदेमंद साबित होंगे।

मीन राशि : आज आपका दिन आपके परिवार वालों के लिए नया खुशियां लेकर आया है। आज अपनी दिनचर्या को लेकर बनाए गए नियम आपको राहत देंगे और सभी कार्य व्यवस्थित रूप से संपन्न होते जाएंगे। वर्किंग वूमेन्स घर की जिम्मेदारियों और व्यवसाय में अच्छा तालमेल बना लेंगी।

बुर्कीना ने फ्रांस से संबंध तोड़े

डॉ. सुधीर सक्सेना

पश्चिमी अफ्रीकी राष्ट्र बुर्कीना फासो ने फ्रांस से अपने दौत्य-संबंध तोड़ने का ऐलान किया है। कभी फ्रांस का उपनिवेश रहे बुर्कीना की इस कार्रवाई को बुर्कीना फासो की कठोर कार्रवाई के तौर पर देखा जा रहा है। इस बीच यह भी स्पष्ट हो गया है कि बुर्कीना में लोकतंत्र दूर की कौड़ी है और उसे लंबे समय तक फौजी जुंता के अधीन रहना होगा। गत वर्ष के युद्ध में पश्चिमी अफ्रीकी ब्लॉक से संबंध विच्छेद के उपरांत बुर्कीना ने पड़ोसी राष्ट्रों नाइजर और माली के साथ घनिष्ठ संबंध स्थापित कर मस्क्वा-बीजिंग धुरी की ओर पींगे बढ़ाई हैं और हाल में उसकी रूस पर सामरिक निर्भरता बढ़ी है। गौरतलब है कि बुर्कीना, माली और नाइजर पिछले करीब एक दशक इस्लामी उग्रपंथियों की घुसपैठ से जूझ रहे हैं और उनसे मुकाबले के लिये रूसी सहायता पर निर्भर हैं। फ्रांस से इन देशों के रिश्तों में तल्खी लगातार बढ़ती जा रही है और अब नव उपनिवेशवाद को बढ़ावा देने और बुर्कीना के राष्ट्रीय हितों के खिलाफ आचरण का आरोप मढ़कर बुर्कीना ने जुमे के रोज़ फ्रांस से राजनयिक संबंध तोड़ लिये हैं। बुर्कीना फासो छोटा सा अफ्रीकी राष्ट्र है विशालकाय अफ्रीका महाद्वीप में पश्चिमोत्तर में स्थित भू-आवेष्टित 2.47 लाख वर्ग किमी का लगभग 2.4 करोड़ की आबादी का देश। 65 प्रतिशत आबादी मुस्लिम है और वह विश्व के चुनींदा निर्धनतम राष्ट्रों में शुमार है। फ्रांस की औपनिवेशक दासता से मुक्त हुये इसे लगभग कुछ दहाइयां ही बीतीहैं और प्रारंभिक लोकतंत्र के बाद वहां तख्तापलट का इतिहास रहा है। वहां आतंकवादी समूह सक्रिय हैं और आर्थिक विकास के पैमाने पर वह बहुत निचली पायदान पर है। यही बुर्कीना फासो इन दिनों विश्वव्यापी सुर्खियों में है और उसकी सुर्खियों में आने का सबब हैं वहां के 38 वर्षीय युवा राष्ट्रपति इब्राहीम ट्रओरे, जो लगभग चार वर्ष पूर्व कू-दे-ता से सत्ता में आये थे। अपनी रीति और नीति से टूओरे पैन-अफ्रीका या अफ्रीकी-अस्मिता के प्रतीक बनकर उभरे हैं। जाहिर है कि वह योरोप और अमेरिका के धनीमानी राष्ट्रों और निओ-इंपीरियालिस्ट ताकतों की आंखों में किरकिरी बनकर खड़क रहे हैं। बिलाशक अपने दुस्साहसिक फैसलों से उन्होंने अमेरिका और फ्रांस जैसे महाबली राष्ट्रों को चुनौती दे डाली है। कभी अपर वोल्टा के नाम से ज्ञात बुर्कीना सन 1896 में फ्रांसीसी दासता के जुएं तले आया। सन 1958 में स्वशासन के हक के बाद इसे सन 1960 में आजादी मिली। इसके बाद का इतिहास अस्थिरता, अकाल, दुर्भिक्षों, तखतापलट और भ्रष्टाचार की गाथा है। सन 1966, 80, 83 और 87 तथा फिर सन 2022 में दो बार कूदे तो हुये। तख्तापलट के विफल प्रयास सन 1989, 2015 और 2023 में भी देखने को मिली। इनमें उल्लेखनीय रहा सन 1983 में सत्त में आये थॉमस संकारा का कार्यकाल। संकारा पहले राष्ट्राध्यक्ष थे, जिन्होंने बुर्किना फासो को सुधारों और विकास की राह पर बढ़ाया। सामाजिक-आर्थिक, सुधारों के तहत उन्होंने साक्षरता अभियान, भूमि पुर्नवितरण, 20 लाख से अधिक बच्चों का टीकाकरण, रेल और सड़क निर्माण, सबको शिक्षा जैसी योजनाएं लागू कीं। उन्होंने महिलाओं का खतना, बलात विवाह और बहु विवाह पर पाबंदी लगाई, मगर सन 1987 में ब्लेस कोम्पाओरे के नेतृत्व में सशस्त्र क्रांति में उनका तख्ता पलट कर उनकी हत्या कर दी गयी। ब्लेस की तानाशाही का 31 अक्टूबर 2014 को अंत हुआ, लेकिन उसके बाद बुर्किना अग्रवादी इस्लामी गुटों की घुसपैठ और हिंसा में डूब गया, जिसमें दस लाख से अधिक बुर्कीनाबे विस्थापित हुये। फ्रेंचकाल में अपर वोल्टा के तौर पर ज्ञात राष्ट्र को बुर्किना फासो नाम थॉमस संकरा की देन है, जिसका शाब्दिक अर्थ होता है ईमानदारों की धरती। टूओरे की पहल पर फ्रेंच फौजियों को निष्कासित कर तीनों उक्त देशों के रंगरूटो को कानून और सुरक्षा का दायित्व सौंपा गया है। हालात का एहसास इससे हो सकता है कि अमेरिका समेत अनेक देशों ने सैलानियों से बुर्कीनो के अंदरूनी भागों की यात्रा नहीं करने को कहा है। देश में यातायात और संचार साधन अत्यल्प हैं। दक्षिण अफ्रीका, माली और घाना के बाद बुर्कीना अफ्रीका का चौथा प्रमुख स्वर्ण उत्पादक राष्ट्र है। सोना, कपास और तिलहन वहां की मुख्य निर्यात वस्तुएं हैं। इनका उत्पादन बढ़ाने के उपक्रमों में तेजी आई है। वैसे बुर्कीनों जवाहरतों का भी निर्यात करता है और वहां के पारंपरिक हस्तशिल्प की विश्व बाजार में अच्छी मांग व प्रतिष्ठा है। टूओरे अब इन पर ध्यान केंद्रित करने के साथ ही अधोसंरचना के विकास पर जोर दे रहे हैं। इसमें शक नहीं संकारा टूओरे के आदर्श हैं और वह उनकी विरासत को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। संकारा ऐसी शख्सियत थे, जिसने मर्सिडीज की बेड़ा बेचकर सस्ती रेनोल्ट को चुना था। उन्होंने अफसरों के वेतन में कटौती कर उनके प्रथम श्रेणी हवाई टिकट और शोफरों के पर पाबंदी लगा दी थी। वह विदेशी वित्त के विरोधी थे और कहते थे कि ही हू फीड्स यू, कंट्रोल्स यू। अफ्रीका केचेक्वेरा कहे गये संकारा अफ्रीकी राष्ट्रों की एकजुटता चाहते थे, ताकि अफ्रीका का उद्धार हो और वह पश्चिम की गुलामी से मुक्त हो। उन्हें क्यूबा का मॉडेल पसंद था। उन्होंने राजधानी क्बागादोगू में फौज के प्रोवीजन स्टोर को जनसामान्य के लिए देश के पहले सुपर मार्केट में तब्दील कर दिया था। उनके दफ्तर में एयर कंडीशनर नहीं था और वह सिर्फ 450 डालर वेतन लेते थे। उनके पास सिर्फ एक कार, चार बाइक, तीन गिटार, एक रेफ्रीजरेटर और एक टूटा फ्रीजर था। वह कुशल गिटारवादक थे। बिना अंगरक्षकों के वह जॉगिंग पर निकल जाते थे। बुर्कीना का राष्ट्रगीत उन्होंने ही लिखा था। सार्वजनिक दफ्तरों में अपना चित्र नहीं लटकाने पर पूछे प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा था कि हमारे यहां सात मिलियन संकारा हैं।

आज पूरा बुर्कीना उन्हीं संकारा को याद कर रहा है। सन 2019 में राजधानी में उसी ठोर उनकी प्रतिमा लगी, जहां उनकी हत्या हुई थी। मुखाकृति नहीं मिलने से अगले वर्ष नयी प्रतिमा स्थापित की गयी। टूओरे के सत्ता में आने के बाद सन 2023 में उन्हें 'हीरो ऑफ द नेशनÓ घोषित किया गया। अक्टूबर सन 2023 में ही राजधानी के बुल्वार चार्ल्स द गाल का नाम बदलकर बुल्वार कैप्टेन थॉमस संकारा कर दिया गया। इस बीच क्यूबा ने संकारा को अपने सर्वोच्च सम्मान ऑर्डर ऑफ जोसे मार्टी से विभूषित किया। उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात की बुर्कीना में सौ मस्जिदें बनाने की पेशकश यह कहकर ठुकरा दी है कि हमें मस्जिदों की नहीं, वरन स्कूल-कालेजों, अस्पतालों और कल कारखानों की जरूरत है। इसमें शक नहीं कि युवा टूओरे संकारा के जूतों में पांब डाल चुके हैं। घटनाक्रम से स्पष्ट है कि बुर्कीना का ताजा कदम फ्रांस, अमेरिका और योरोपीय देशों को पसन्द नहीं आयेगा। फ्रेंच सैनिक टुकड़ियों को इलाके से पहले ही निष्कासित किया जा चुका है। यह भी साफ है कि बुर्कीना में लोकतंत्र की बहाली के कोई आसार नहीं हैं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

मैक्सवेल सहित इन बल्लेबाजों के नाम है टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे अधिक शतक

एजेंसी, मुम्बई

टी20 अंतरराष्ट्रीय, क्रिकेट में अब तक सबसे अधिक शतक लगाने वाले शीर्ष पांच बल्लेबाजों में दो भारतीय बल्लेबाज रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव भी शामिल हैं। इस प्रारुप में सबसे अधिक पांच-पांच शतक ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल और भारत के रोहित शर्मा के नाम हैं। इसके अलावा ऑस्ट्रिया के करनबीर सिंह और इंग्लैड के फिल साल्ट हैं भी इस सूची में शामिल हैं।

ग्लेन मैक्सवेल : ऑस्ट्रेलियई ऑलराउंडर मैक्सवेल ने अब तक 5 बेमिसाल टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाये हैं, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी का प्रमाण है। 130 मैचों की 118 पारियों में उन्होंने 154.42 के शानदार स्ट्राइक रेट से 2897 रन बनाए हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 145 रन रहा है, और उन्होंने अपने करियर में 243 चौके और 150 छक्के जड़े हैं, जो उनकी मारक क्षमता को दर्शाता है।

रोहित शर्मा : रोहित ने भी टी20 अंतरराष्ट्रीय में 5 शानदार शतक लगाए हैं और इस प्रारूप में सर्वाधिक रन (4231) बनाने का रिकॉर्ड भी उन्हीं के नाम है। साल 2007 के पहले टी20 विश्व कप से अपने सफर की शुरुआत करने वाले रोहित ने 159 मैचों की 151 पारियों में 140.89 के स्ट्राइक रेट से ये रन बनाये हैं। उनके नाम 32 अर्धशतक और नाबाद 121 रन का उच्चतम स्कोर भी है। अपनी बेजोड़ टाइमिंग और ताकत से उन्होंने रिकॉर्ड 383 चौके और 205 छक्के जड़े हैं, जो उन्हें टी20ई का सबसे सफल बल्लेबाज बनाता हैं हालांकि अब उन्होंने इस प्रारुप से संन्यास ले लिय है।

करनबीर सिंह : इस विशिष्ट सूची में तीसरा नाम ऑस्ट्रिया के करनबीर सिंह का है। एसोसिएट नेशन की ओर से खेलने वाले करबीर ने सिर्फ 60 मैचों की 59 पारियों में 4 शतक लगाकर सबको हैरान किया है। 48.71 की हैरतअंगेज औसत और 175.41 के तूफानी स्ट्राइक रेट से उन्होंने 2533 रन बनाए हैं। करनबीर का सर्वोच्च स्कोर 164 रन है, जो इस सूची में किसी भी बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है।

फिल साल्ट : चौथे स्थान पर इंग्लैंड के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट हैं। साल 2022 में डेब्यू करने के बाद से साल्ट ने है। 64 मैचों की 59 पारियों में उन्होंने 4 शतक और 10 अर्धशतकों के साथ 164.52 के बेहतरीन स्ट्राइक रेट से 1846 रन बनाए हैं। साल्ट का सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 141 रन रहा है, और उन्होंने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से 186 चौके और 87 छक्के लगाए हैं।

सूर्यकुमार यादव : इस इसी में भारत के सूर्यकुमार यादव भी शामिल हैं। साल 2021 में पदार्पण करने के बाद से ही सूर्या ने टी20 क्रिकेट खेलने में अपनी क्षमता दिखायी है। उन्होंने 113 मैचों की 107 पारियों में 4 शतक और 25 अर्धशतकों की मदद से 3272 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 162.94 का रहा है, और उनका सर्वोच्च स्कोर 117 रन है।

द्रविड़ बन सकते हैं इंग्लैंड की टेस्ट टीम के मुख्य कोच

एजेंसी, लंदन। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान व कोच रहे राहुल द्रविड़ अब इंग्लैंड की टेस्ट क्रिकेट टीम के नये मुख्य कोच बन सकते हैं। ब्रैंडन मैकुलम को टेस्ट टीम के मुख्य कोच पद से हटाए जाने के बाद से ही नये कोच के लिए अटकलें लगायी जाने लगी हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में 1-2 की करारी हार के बाद से ही इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने ब्रैंडन मैकुलम को पद से हटाने का फैसला किया है हालांकि वह सीमित ओवरों के लिए मुख्य कोच बने रहेंगे। उनकी आक्रामक क्रिकेट की बैजबॉल रणनीति टेस्ट में असफल रही है। इसी को देखते हुए बोर्ड ने उन्हें हटाने का फैसला किया है। ईसीबी का मानना है कि अगले साल होने वाली प्रतिष्ठित एशेज सीरीज से पहले टीम में बदलाव के लिए यह जरुरी है। गौरतलब है कि मैकुलम के चार साल के कार्यकाल के दौरान इंग्लैंड ने कुल 49 टेस्ट मैच खेले, जिनमें से टीम को 27 में जीत और 20 में हार का सामना करना पड़ा। इस दौरान इंग्लैंड का प्रदर्शन घरेलू मैदानों पर तो शानदार रहा, लेकिन विदेशी पिचों पर टीम का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा, जहां भारत (2023-24) और पाकिस्तान (2024-25) के दौरों पर मिली शर्मनाक सीरीज हार ने उनके बैजबॉल रणनीति को फेल कर दिया। एक रिपोर्ट के अनुसार, ईसीबी ने मैकुलम के संभावित विकल्पों की एक सूची तैयार की है, जिसमें द्रविड़ का मुख्य दावेदार के तौर पर शामिल किया गया है। द्रविड़ के अलावा जिम्बाब्वे के पूर्व कोच एंडी फ्लावर और इंग्लैंड के पूर्व इंग्लिश स्पिनर रिचर्ड डॉसन, श्रीलंका के महान बल्लेबाज कुमार संगकारा, इंग्लैंड लायंस के कोच एंड्रयू फ्लिंटॉफ भी दावेदार हैं। वहीं कोच के लिए प्रमुख दावेदार द्रविड़ की गिनती दुनिया के सबसे समझदार और रणनीतिक रूप से मजबूत कोचों में होती है। उनके मार्गदर्शन में भारतीय टीम ने 2024 टी20 विश्व कप का खिताब जीता और 2023 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल तक वह पहुंची थी। द्रविड़ की बारीक कोचिंग शैली, अनुशासन और रेड-बॉल (टेस्ट) क्रिकेट की गहरी समझ के कारण ही इंग्लैंड बोर्ड उन्हें इस पद के लिए सबसे बेहतर मान रहा है। हालांकि, रिपोर्ट यह भी बताती है कि राहुल द्रविड़ की पूर्णकालिक कोचिंग में वापसी की खास इच्छा नहीं रही है, लेकिन इंग्लैंड के टेस्ट कोच का पद उनके लिए एक बेहतर विकल्प हो सकता है, क्योंकि इसमें उन्हें घर पर बिताने के लिए लंबा समय मिलेगा और साथ ही अपने पसंदीदा प्रारूप (टेस्ट क्रिकेट) को जिंदा रखने में योगदान देने का मौका भी मिलेगा।

साल के अंत में नेपाल दौरे पर जाएगी भारत ए टीम

एजेंसी, मुम्बई

भारत ए क्रिकेट टीम इस साल के अंत में नेपाल का दौरा करेगी। इस दौरे में भारत एक नेपाल टीम से तीन मैचों की सीरीज खेलेगी इससे नेपाल टीम को काफी लाभ होगा। दोनो ही देशों के क्रिकेट बोर्ड इस दौर को लेकर सहमत हैं। इस दौरे में सभी मुकाबले नेपाल के कीर्तिपुर स्थित त्रिभुवन यूनिवर्सिटी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैदान में खेले जाएंगे। इस महत्वपूर्ण दौरे को स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग हुए आईसीसी के सालान सम्मेलन के दौरान तय किया गया था।। इस अवसर पर नेपाल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष चतुर बहादुर चंद और सचिव पारस खड़का ने भारतीय बोर्ड के सचिव देवजीत सैकिया के साथ मुलाकात की थी, जिसमें दोनों बोर्डों ने सर्वसम्मति से इस सीरीज पर अपनी मुहर लगाई। इससे दोनो देशों के बीच खेल संबंध बेहतर होंगे। सीरीज का पूरा शेड्यूल भी जारी कर दिया गया है। पहला टी20 मुकाबला 9 दिसंबर 2026 को होगा, जिसके बाद दूसरा मैच 11 दिसंबर 2026 को और तीसरा व अंतिम मैच 13 दिसंबर 2026 को निर्धारित है। तीनों ही मैच त्रिभुवन यूनिवर्सिटी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैदान में ही खेले जाएंगे, जिससे प्रशंसकों को लगातार तीन दिनों तक रोमांचक क्रिकेट देखने का अवसर मिलेगा।

रमीज ने वेस्टइंडीज और इंग्लैंड दौरे से पहले कप्तान बदलने पर उठाये सवाल

एजेंसी, लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट में विवाद बढ़ता जा रहा है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के वेस्टइंडीज और इंग्लैंड दौर से पहले एक बार फिर कप्तान बदलने पर पूर्व क्रिकेटर रमीज राजा ने सवाल उठाये हैं। राजा ने कहा कि ये गलत कदम है, जिस प्रकार से शान मसूद को हटाकर बाबर आजम को कप्तानी सौंपी गयी है उससे कोई लाभ नहीं होगा। पूर्व में पीसीबी प्रमुख रहे रमीज के अनुसार खराब प्रदर्शन पर केवल कप्तान को बदलने से कुछ नहीं होने वाला। रमीज कहा कि जब किसी कप्तान को लगातार साधारण खिलाड़ियों का समूह दिया जाता है, तो आप बेहतर परिणाम किया प्रकार से मिल सकते हैं। साथ ही पूछा है कि अगर टेस्ट टीम का स्तर अच्छा नहीं है, तो केवल कप्तान क्या कर सकता है? रमीज के अनुसार क कप्तान की सफलता पूरी तरह से उसे मिली टीम पर निर्भर करती है। उनका मानना है कि कप्तान उतना ही अच्छा होता है जितने अच्छे खिलाड़ी उसे दिए जाते हैं। अपने इस बयान से रमीज ने पीपीसी पर करारा तंज किया है। गौरतलब है कि शान ने दिसंबर 2023 से 16 टेस्ट मैचों में पाकिस्तान की कप्तानी की थी।

भारतीय टीम को विदेशी पिचों के अनुसार भी खेलना सीखना होगा : डोइशे

एजेंसी, लंदन

इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के खराब प्रदर्शन पर निराशा जताते हुए सहायक कोच रियान टेन डोइशे ने कहा है कि उसे विदेशी हालातों के अनुसार ढ़लना सीखना होगा। डोइशे के अनुसार भारतीय टीम अभी विदेशी पिचों के अनुरुप ढ़ल नहीं पा रही है। इसी कारण उसके बल्लेबाज असफल हो रहे हैं। कोच के अनुसार टीम को अलग-अलग माहौल के अनुकूल अपने को जल्दी ढालने की प्रक्रिया को समझना होगा और उसी को देखते हुए खेलना होगा। डोइशे ने कहा, हमने इस दौरे में अपने को ढालने के बारे में काफी चर्चा की है। यह कहना आसान है कि हमें अनुकूलन करना चाहिए, लेकिन हमें उस प्रक्रिया को समझना होगा कि इसके लिए वास्तव में क्या करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मनोवैज्ञानिक और मानसिक तौर पर, भारतीय टीम के लिए यह समझना सबसे बड़ी चुनौती है कि हम विदेशी हालात में क्यों अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को भविष्य की ओर देखने और दो साल बाद ऑस्ट्रेलिया में होने वाले विश्व कप को ध्यान में रखते हुए तैयारियों की सलाह दी है क्योंकि वहां उन्हें एक अलग तरह की चुनौती का सामना करना होगा। सहायक कोच ने कहा हमें ऐसी टीम चाहिये जो भारतीय मैदानों के आलावा विदेशी धरती पर भी उसी प्रकार से खेल सके। उन्होंने कहा कि टीम को विदेशी स्थानों पर भी अच्छा खेलना सीखना होगा। इसके लिए केवल टीम को अपनी मानिकता में बदलाव लाना है क्योंकि भारत में जहां सपाट पिच हैं वहीं विदेशों में तेज और उछला भरी पिचें हैं।

बिजनेस

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सांकेतिक कमजोरी का रुख बना हुआ है। भाव में आई गिरावट के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,44,320 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,45,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,32,290 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,32,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी मामूली गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,34,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,44,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,44,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,44,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,45,080 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,32,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,44,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,44,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,44,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,44,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,44,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,32,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली कमजोरी दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,44,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,32,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में रिकवरी का रुख, बड़ी गिरावट के बाद सेंसेक्स और निफ्टी की स्थिति में सुधार

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार आज शुरुआती कारोबार के दौरान रिकवरी करता हुआ नजर आ रहा है। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ जाने की वजह से बने वैश्विक दबाव के कारण घरेलू बाजार में आज के कारोबार की शुरुआत लगभग 0.70 प्रतिशत की गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद पहले 20 मिनट तक मामूली उतार चढ़ाव के साथ कारोबार होता रहा। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया। लिवाली का सपोर्ट मिलने पर सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आने लगी। खरीदारी के सपोर्ट से हुई रिकवरी के कारण पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स की कमजोरी घट कर 0.36 प्रतिशत और निफ्टी की कमजोरी कम होकर 0.38 प्रतिशत रह गई थी। शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट की दिग्गज कंपनियों में से टीसीएस, एचसीएल टेक्नोलॉजी, ओएनजीसी, एनटीपीसी और एचडीएफसी लाइफ के शेयर 2.61 प्रतिशत से लेकर 0.63 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, इंटरग्लोब एवियशन, टाटा स्टील, मारुति सुजुकी, बजाज फिनसर्व और नेस्ले के शेयर 1.87 प्रतिशत से लेकर 1.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,743 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,287 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,456 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से आठ शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 22 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 12 शेयर हरे निशान में और 38 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 602.04 अंक यानी 0.78 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 76,963.35 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद बिकवाली के दबाव की वजह से यह सूचकांक फिसल कर 76,857.43 अंक तक चला गया। हालांकि पहले 20 मिनट के कारोबार के बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक ने निचले स्तर से रिकवरी करना शुरू कर दिया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 280.84 अंक की गिरावट के साथ 77,288.55 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 167.50 अंक यानी 0.69 प्रतिशत टूट कर 24,039.40 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही वैश्विक दबाव की वजह से पहले 20 मिनट के कारोबार में ही यह सूचकांक फिसल कर 24,000.20 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 92.65 अंक की कमजोरी के साथ 24,114.25 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को सेंसेक्स 827.57 अंक यानी 1.08 प्रतिशत की मजबूती के साथ 77,569.39 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 244.10 अंक यानी 1.02 प्रतिशत की उछाल के साथ 24,206.90 अंक के स्तर पर शुक्रवार के कारोबार का अंत किया था।

पश्चिम एशिया के तनाव से बिगड़ा ग्लोबल मार्केट का मूड, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में एक बार फिर तनाव बढ़ जाने की वजह से ग्लोबल मार्केट का मूड आज बिगड़ा हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे थे, लेकिन डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। वहीं एशियाई बाजार में आज आमतौर पर कमजोरी का रुख बना हुआ है। अमेरिका में पिछले कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को सेमीकंडक्टर स्टॉक्स में उछाल आने के कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे थे। डाउ जॉन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.29 प्रतिशत उछल कर 52,637.01 अंक के स्तर पर पहुंच गया था। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.42 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,575.39 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 0.29 प्रतिशत की बढ़त के साथ 26,281.61 अंक के स्तर पर बंद हुआ। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 216.67 अंक यानी 0.41 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 52,420.34 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के कारोबार के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.24 प्रतिशत की मजबूती के साथ 10,497.29 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.15 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,338.97 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, डीएएक्स इंडेक्स 0.20 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,067.09 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

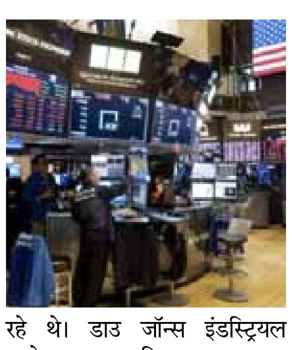

ईपीएफओ ने भविष्य निधि ट्रस्टों से एमनेस्टी स्कीम के लिए मांगे आवेदन

एजेंसी, नई दिल्ली । कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने एमनेस्टी स्कीम प्रारंभ की है। यह उन कंपनियों के लिए एकमुश्त राहत का अवसर है जो अपना खुद का ट्रस्ट तो चला रही हैं, लेकिन उनके पास में सरकार का औपचारिक छूट नोटिफिकेशन नहीं है। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने नियोक्ताओं, हितधारकों और आम जनता को इस योजना पर ध्यान देने की सलाह दी है, जो 6 महीने की अवधि के लिए खुली रहेगी। यह योजना अधिसूचना की तिथि से छह महीने की अवधि के लिए वैध है। योजना की अधिसूचना 29 जून को जारी की गई थी। यह योजना उन प्रतिष्ठानों पर लागू होती है, जो आयकर अधिनियम, 1961 के तहत मान्यता प्राप्त भविष्य निधि ट्रस्ट का संचालन कर रहे हैं, लेकिन जिनके पास छूट से संबंधित अधिसूचना नहीं है। मंत्रालय ने बताया कि वित्त अधिनियम, 2026 ने मान्यता प्राप्त भविष्य निधियों को नियंत्रित करने वाले आयकर ढांचे को कर्मचारी भविष्य निधि एवं विविध प्रावधान अधिनियम, 1952 के वैधानिक एवं प्रशासनिक प्रावधानों के अनुरूप कर दिया है। आयकर अधिनियम, 2025 के अंतर्गत मान्यता केवल उन्हीं भविष्य निधियों को प्राप्त होगी जिन्होंने कर्मचारी भविष्य निधि एवं विविध प्रावधान अधिनियम, 1952 की धारा 17 के तहत छूट प्राप्त की है।

गोयल ने भारत-अमेरिकी व्यापार समझौता टालने की खबरों को किया खारिज

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को उन ख़बरों को खारिज कर दिया, जिसमें दावा किया गया था कि भारत ने अमेरिका के साथ जल्द व्यापार समझौता करने से इनकार कर दिया है और अब वह बेहतर शर्तों का इंतजार कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह खबर पूरी तरह से झूठी, बेबुनियाद और गुमराह करने वाली है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कहा कि भारत और अमेरिका की टीमें एक ऐसे व्यापार समझौता के लिए पूरी तरह से जुटी हुई हैं। उन्होंने बताया कि पिछले महीने यहां उनकी मुलाकात अमेरिकी ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव जेमिसन ग्रीर से हुई थी। दोनों पक्षों ने एक ऐसी डील के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है, जो संतुलित हो, व्यावसायिक तौर पर अहम हो और जिससे दोनों देशों में बिजनेस, किसानों, वर्कर्स और उपभोक्ताओं को ठोस फायदे मिलें।उन्होंने कहा कि जब अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर जून में दिल्ली आए थे, तो मेरी उनके साथ बहुत अच्छी बैठकें हुई थीं। हमारी टीमें इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूरी तरह से जुटी हुई हैं।

भारत-अमेरिका के बीच अंतरिम द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को लेकर दो दिवसीय महत्वपूर्ण मंत्रिस्तरीय वार्ता पिछले महीने नई दिल्ली में 24 जून को हुई थी। दोनों देश 24 जुलाई को समाप्त हो रहे अमेरिका के अस्थायी 10 फीसदी टैरिफ से पहले इस समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन बातचीत के बाद जारी आधिकारिक बयान में किसी अंतिम नतीजे या समझौते का ऐलान नहीं किया गया था।

ब्लैक ब्रालेट में सान्या मल्होत्रा ने ढाया कहर, बोल्ड फोटोशूट ने ब

आशिकी 2, मलंग और मेट्रो... इन दिनों जैसी फिल्मों से अपनी रोमांटिक छवि बनाने वाले अभिनेता आदित्य रॉय कपूर अब एक बार फिर बड़े पर्दे पर खास लव स्टोरी लेकर आने वाले हैं। इस बार वह पहली बार निर्देशक मिलाप मिलन जावेरी के साथ हाथ मिला रहे हैं। दोनों की यह फिल्म रोमांस, एक्शन और संगीत का दमदार मेल होगी, जिसे निर्माता भूषण कुमार बड़े स्केल पर बना रहे हैं। निर्देशक मिलाप मिलन जावेरी ने आदित्य रॉय कपूर के साथ अपनी पहली फिल्म को लेकर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा, आदित्य प्यार को बेहद गहराई के साथ पर्दे पर उतारते हैं। आशिकी 2 के बाद से दर्शकों ने उन्हें जुनून और टूटे दिल की कहानियों में खूब पसंद किया है। इस नई फिल्म का किरदार कई परतों वाला होगा। मुझे नहीं लगता कि इस सफर को उनसे बेहतर कोई और निभा सकता था। वहीं, निर्माता भूषण कुमार ने आदित्य के साथ अपनी पुरानी साझेदारी को याद करते हुए कहा, आदित्य के साथ हमारा रिश्ता कई सालों पुराना है और हमने साथ मिलकर ऐसी फिल्में दी हैं जिन्हें दर्शक आज भी पसंद करते हैं। आशिकी 2 से लेकर मेट्रो... इन दिनों तक हर फिल्म हमारे लिए खास रही है। हमारे बीच शानदार क्रिएटिव तालमेल है और मुझे खुशी है कि हम एक बार फिर एक ऐसी कहानी के लिए साथ आ रहे हैं, जो भावनात्मक और बड़े पैमाने पर बनाई जाएगी। फिल्म की शूटिंग इसी साल के आखिर में शुरू होने की तैयारी है। इसके बाद पोस्ट-प्रोडक्शन का काम पूरा कर इसे साल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। फिलहाल फिल्म की बाकी स्टारकास्ट और टाइटल का खुलासा नहीं किया गया है लेकिन मेकर्स का कहना है कि आने वाले समय में इससे जुड़ी और जानकारियां साझा की जाएंगी। फिल्म की घोषणा करते हुए मिलाप मिलन जावेरी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी एक खास पोस्ट साझा किया था। उन्होंने लिखा, इस बार आशिकी पूरी दीवानियत से होगी। मुझे बेहद खुशी है कि मैं अपनी अगली फिल्म की घोषणा कर रहा हूं। यह एक इंटेंस, हिंसक और म्यूजिकल लव स्टोरी है, जिसमें मेरे प्रिय मित्र और शानदार अभिनेता आदित्य रॉय कपूर मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने आगे लिखा, आदित्य को उनके करियर के सबसे दमदार, रोमांटिक और हीरोइक किरदारों में से एक में देखने के लिए तैयार हो जाइए। मुझे खुशी है कि यह फिल्म भूषण कुमार सर के बैनर तले बन रही है, जिनके साथ मैंने सत्यमेव जयते और मरजावां जैसी सफल फिल्मों में काम किया है। उन्होंने पोस्ट के आखिर में लिखा, 2027 में सिनेमाघरों में मिलते हैं, जहां एक्शन, संगीत, दमदार डायलॉग, रोमांस, जुनून और दिल टूटने का दर्द- सब कुछ बड़े पर्दे पर देखने को मिलेगा।

भाई तेरा स्टार है का मजेदार ट्रेलर हुआ जारी, हीरो बनकर हंसाने आए राघव जुयाल

किल और बैड्स ऑफ बॉलीवुड जैसी फिल्मों में अपनी गंभीर और दमदार एक्टिंग का लोहा मनवाने के बाद राघव जुयाल अब दर्शकों को हंसाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मेकर्स ने उनकी आगामी फिल्म भाई तेरा स्टार है का शानदार ट्रेलर रिलीज कर दिया है। इस ट्रेलर में राघव के किरदार अजय सिंह की एक बेहद अनोखी, अतरंगी और मजेदार दुनिया की झलक देखने को मिल रही है, जिसने फैंस के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता काफी बढ़ा दी है। इस बार वह एक फुल-ऑन कॉमिक एंटरटेनर के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। यह फिल्म पूरी तरह से एक पारिवारिक मनोरंजन पैकेज है। ट्रेलर की शुरुआत ही एक बेहद मजेदार डायलॉग से होती है, एक एक्टर का सबसे बड़ा टैलेंट होता है अपनी ही बकवास पर यकीन करना। इसके बाद से ही पूरे ट्रेलर में बड़े-बड़े सपने, जबरदस्त कन्फ्यूजन और पेट खोलकर हंसाने वाले सीन्स का सिलसिला शुरू हो जाता है।

फिल्म में राघव जुयाल की कॉमिक टाइमिंग के साथ-साथ संजय कपूर, बरखा सिंह, निहारिका एनएम और चंदन रॉय सान्याल जैसे बेहतरीन कलाकार भी अपनी कॉमेडी से एंटरटेनमेंट का लेवल बढ़ाते नजर आ रहे हैं। अपने इस नए रोल को लेकर राघव जुयाल काफी उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि अजय सिंह का यह किरदार बहुत ज्यादा ड्रामेटिक, बेबाक और अप्रत्याशित है, जिसे निभाने में उन्हें बेहद मजा आया। वहीं फिल्म के डायरेक्टर विवेक बी अग्रवाल का कहना है कि यह फिल्म खुद को बहुत सीरियसली नहीं लेती और यही इसकी सबसे बड़ी खूबी है। उन्होंने राघव की एनर्जी की तारीफ करते हुए कहा कि वे सिनेमाघरों में दर्शकों के रिएक्शन देखने के लिए बेहद उत्सुक हैं। ट्रेलर के बारे में बात करते हुए राघव जुयाल ने कहा, मुझे पूरा भरोसा है कि यह फिल्म हर उम्र के दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करेगी। मैं बेसब्री से इंतज़ार कर रहा हूं कि सभी लोग अजय सिंह से मिलें। वह एक ऐसा किरदार है जो नाटकीय है, अप्रत्याशित है, बेझिझक है, पूरी तरह ओवर-द-टॉप है और बेहद मनोरंजक भी। इस किरदार को निभाने में मुझे बहुत मज़ा आया और मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को भी फिल्म देखते समय उतना ही आनंद आएगा, जितना हमें इसे बनाते समय आया। निर्देशक विवेक बी अग्रवाल ने कहा, भाई तेरा स्टार है पूरी तरह मनोरंजन का जश्न है। यह फिल्म खुद को जरूरत से ज़्यादा गंभीरता से नहीं लेती और यही इसकी सबसे बड़ी खासियत है। इसमें मज़ेदार किरदार, अप्रत्याशित मोड़ और लगातार मनोरंजन देखने को मिलेगा। राघव ने अजय सिंह के किरदार को अपनी शानदार ऊर्जा और बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग से जीवंत बना दिया है। हमें बेहद खुशी है कि आज ट्रेलर दर्शकों के सामने है और अब हम सभी को सिनेमाघरों में फिल्म का आनंद लेते देखने का इंतजार है। ईस्टवुड पिक्चर्स और इंडियन स्टोरीज 2 के बैनर तले बनी इस फिल्म का निर्देशन विवेक बी अग्रवाल ने किया है। फिल्म की कहानी को सुदीप्तो सरकार और विवेक ने मिलकर लिखा है, जबकि इसके निर्माण की जिम्मेदारी अवंतिका हरि, सुनील रुपानी और विवेक बी. अग्रवाल ने संभाली है। एंटरटेनमेंट और ठहाकों से भरपूर यह फिल्म 30 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है।

द इंडिया स्टोरी का एक और दमदार पोस्टर हुआ रिलीज, गुस्साई भीड़ से होगा काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े का सामना

सामाजिक मुद्दे पर आधारित कोर्टरूम ड्रामा फिल्म द इंडिया स्टोरी के निर्माताओं ने फिल्म का एक और प्रभावशाली पोस्टर जारी किया है, जिसने दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता और बढ़ा दी है. ज़ी स्टूडियोज़ के सहयोग से एमआईजी प्रोडक्शन एंड स्टूडियोज़ द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म का निर्देशन चेतन डीके ने किया है, जबकि इसकी कहानी और निर्माण की जिम्मेदारी सागर बी. शिंदे ने संभाली है. यह फिल्म 24 जुलाई 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी और हिंदी, तेलुगु और तमिल भाषाओं में दर्शकों के सामने आएगी. कीटनाशक खेती और इसके स्वास्थ्य पर पड़ने वाले गंभीर प्रभावों जैसे संवेदनशील विषय को उठाने वाली यह फिल्म एक दिलचस्प कोर्टरूम ड्रामा के जरिए एक बड़े सामाजिक मुद्दे को सामने लाती है. रिलीज हुए नए पोस्टर में काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े एक तनावपूर्ण और भावनात्मक स्थिति में नजर आ रहे हैं, जो इस बात की ओर इशारा करता है कि फिल्म में उनके किरदार एक बड़ी सच्चाई को उजागर करने के लिए कठिन संघर्ष से गुजरते हैं. सब्जी मंडी के माहौल में सेट यह पोस्टर डर, गुस्से और विरोध की तीव्र भावना को दर्शाता है. पोस्टर में काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े को एक आक्रोशित भीड़ से घिरा हुआ दिखाया गया है, जहां गुस्साए विक्रेता उन पर उंगलियां उठा रहे हैं और सब्जियां फेंक रहे हैं. कलाकारों के चेहरे पर दिखता डर, हवा में उड़ती सब्जियां और उग्र भीड़ फिल्म में सच सामने लाने वालों के सामने आने वाली चुनौतियों को बखूबी दर्शाते हैं. ऐसे में पोस्टर पर लिखा टैगलाइन स्लो पॉइज़न इन प्रोग्रेस फिल्म के मुख्य विषय को और मजबूत करता है. यह एक ऐसे छिपे खतरे की ओर भी इशारा करता है, जो धीरे-धीरे लाखों लोगों को प्रभावित कर रहा है. इस विषय में निर्देशक चेतन डीके कहते हैं, यह पोस्टर सच बोलने की कीमत को दर्शाता है. जब किसी झूठ पर आधारित व्यवस्था को चुनौती दी जाती है, तो सबसे पहली प्रतिक्रिया अक्सर डर और गुस्से के रूप में सामने आती है. द इंडिया स्टोरी का हर फ्रेम इसी संघर्ष को दिखाने और दर्शकों को यह सोचने पर मजबूर करने के लिए बनाया गया है कि वे क्या खा रहे हैं और किस पर विश्वास कर रहे हैं. गौरतलब है कि इस फिल्म के सह-निर्माता स्वाति विनायक सैंदाने, अनीता जाधव, विनायक सैंदाने, कल्पेश शाह, देवयानी खोराटे और प्रेम जोशी हैं. फिल्म की तकनीकी टीम में सिनेमैटोग्राफर निशांत भागवत, संगीतकार मंगेश धकड़े, एडिटर आशीष म्हात्रे, गीतकार शकील आज़मी और साउंड डिजाइनर अनमोल भावे शामिल हैं

बॉक्स ऑफिस पर तेलुगु फिल्म लेनिन ने गाड़े झंडे मां इंति बंगारम समेत 13 फिल्मों के तोड़े रिकॉर्ड्स

धमाल 4 और वेलकम टू द जंगल के इस शुक्रवार को सिनेमाघरों में तेलुगु की एक्शन ड्रामा फिल्म लेनिन बॉक्स ऑफिस पर मोटी कमाई कर रही है. फिल्म को हिंदी में नहीं रिलीज किया गया है फिर भी इसने बेहतरीन कमाई की और ओपनिंग डे पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई की. ऐसे में चलिए बताते हैं कि फिल्म ने कितनी कमाई कर ली है और किन 13 फिल्मों के रिकॉर्ड्स को भी तोड़ दिया है.

अखिल अक्किनेनी की तेलुगु एक्शन फिल्म लेनिन ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की, जिसके साथ ही इसने कमाई के मामले में तेलुगु की 2026 की 13 फिल्मों के ओपनिंग डे कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है. सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने बिना हिंदी में रिलीज हुए पहले दिन 5.90 करोड़ का बिजनेस किया, जिस पर 50त्न ऑक्यूपेंसी भी दर्ज की गई है. वहीं, ऑफिशियल आंकड़ों के अनुसार, फिल्म ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर वर्ल्डवाइड भी कमाल का प्रदर्शन किया है. अखिल की फिल्म ने ओपनिंग डे पर दुनियाभर में 16.7 करोड़ का बिजनेस किया है. इसके साथ ही तेलुगु फिल्म लेनिन ने बॉक्स ऑफिस पर 2026 की 13 फिल्मों के ओपनिंग डे कलेक्शन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है. यही नहीं, लेनिन ने बॉक्स ऑफिस पर एक और कमाल दिखाया और ये 2026 की तेलुगु की 6वीं बिगेस्ट ओपनर फिल्म बन चुकी है. बहरहाल, अगर फिल्म लेनिन के बारे में बात की जाए तो ये तेलुगु की एक एक्शन ड्रामा फिल्म है. फिल्म का निर्देशन मुरली किशोर अब्बुरु ने किया है. इसमें प्यार, विश्वासघात और बदले की कहानी को दिखाया गया है. फिल्म की कहानी आंध्र प्रदेश की पृष्ठभूमि पर बुनी गई है. अखिल के साथ फिल्म में एक्ट्रेस भाग्यश्री बोरसे लीड रोल में हैं.

दूध से ज्यादा कैल्शियम से भरपूर हैं ये 5 भारतीय खाद्य पदार्थ, डाइट में करें शामिल

दूध को कैल्शियम का एक अच्छा स्रोत माना जाता है, जो हड्डियों को मजबूती देने और सेहत के लिए फायदेमंद होता है। हालांकि, कुछ भारतीय खाद्य पदार्थ ऐसे हैं, जो दूध से भी अधिक कैल्शियम से भरपूर होते हैं। इन खाद्य पदार्थों को अपनी डाइट में शामिल कर आप हड्डियों को मजबूत करने के साथ-साथ अन्य स्वास्थ्य लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं। आइए ऐसे 5 खाद्य पदार्थों के बारे में जानते हैं। 100 ग्राम बादाम में लगभग 264 मिलीग्राम कैल्शियम मौजूद होता है, जो दूध से भी ज्यादा फायदेमंद होता है। इसके अलावा बादाम में फाइबर, आयरन, मैग्नीशियम, पोटेशियम, और प्रोटीन भी अच्छी मात्रा में होते हैं। यह न केवल हड्डियों को मजबूत करता है, बल्कि दिल को स्वस्थ रखने, ब्लड शुगर को नियंत्रित करने और त्वचा को स्वस्थ रखने में भी मदद करता है। इसे आप भिगाकर भी खा सकते हैं। तिल के बीज भी कैल्शियम से भरपूर होते हैं, जिन्हें आपको अपने खान-पान का हिस्सा जरूर बनाना चाहिए। 100 ग्राम तिल में लगभग 1,573 मिलीग्राम कैल्शियम होता है, जो आपकी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। इसके अलावा इसमें फाइबर, आयरन, मैग्नीशियम, और प्रोटीन भी होते हैं। तिल का सेवन हड्डियों को मजबूत करने के साथ-साथ दिल की सेहत को बेहतर बनाने और ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में सहायक होता है। 100 ग्राम काजू में लगभग 38 मिलीग्राम कैल्शियम होता है, जिसे दूध के साथ मिलाकर खाने पर आपको काफी ज्यादा मात्रा में यह पोषक तत्व मिल सकता है। काजू में फाइबर, आयरन, मैग्नीशियम, और प्रोटीन भी होते हैं। यह दिल को स्वस्थ रखने, ब्लड शुगर को नियंत्रित

करने और त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करता है। इसके अलावा काजू में सूजन को कम करने वाले गुण भी होते हैं। 100 ग्राम खजूर में लगभग 64 मिलीग्राम कैल्शियम होता है, जिसे खाने से आपको एक नहीं कई फायदे मिल सकते हैं। खजूर में फाइबर, आयरन, मैग्नीशियम, और प्रोटीन भी होते हैं। यह दिल को स्वस्थ रखने, ब्लड शुगर को नियंत्रित करने और त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करता है। खजूर का सेवन सूजन को कम करने वाले गुणों से भरपूर होता है। इसे आप रोजाना सुबह उठकर डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। 100 ग्राम मेथी के बीज में लगभग 66 मिलीग्राम कैल्शियम होता है। इसमें फाइबर, आयरन, मैग्नीशियम, और प्रोटीन भी होते हैं। यह हड्डियों को मजबूत करने, दिल को स्वस्थ रखने और ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में सहायक होता है। इसके अलावा मेथी के बीज सूजन को कम करने वाले गुणों से भी भरपूर होते हैं। इसे पानी में उबालकर पीने से या इससे लड्डू जैसे व्यंजन बनाने से आपको कई फायदे मिल सकते हैं।

24 जुलाई को दुनियाभर में धमाल मचाएगी रणबीर कपूर की फिल्म

नमित मल्होत्रा द्वारा निर्मित और नितेश तिवारी के डायरेक्शन में बन रही माइथोलॉजी फिल्म रामायण पार्ट 1 के ट्रेलर की आधिकारिक रिलीज डेट सामने आ चुकी है. रणबीर कपूर, यश, रवि दुबे, सनी देओल और मल्टीस्टारर यह फिल्म मौजूदा साल की दिवाली के मौके पर रिलीज होने जा रही है. इससे पहले दर्शकों को फिल्म के ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार है और अब फिल्म के ट्रेलर की रिलीज डेट का आज एलान कर दिया गया है. साथ ही मेकर्स ने फिल्म को लेकर एक लंबा चौड़ा नोट भी शेयर किया है. मेकर्स ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म रामायण पार्ट 1 के ट्रेलर की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है. मेकर्स ने एक पोस्टर भी शेयर किया है, जिसमें राम, लक्ष्मण और सीता एक राजभवन में दिख रहे हैं. मेकर्स ने रामायण

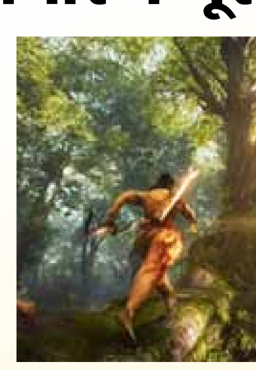

पार्ट 1 के ट्रेलर की रिलीज डेट का एलान कर लिखा है, भारत से दुनिया तक, रामायण पार्ट 1 का ट्रेलर दुनियाभर में 24 जुलाई को रिलीज होगी. बता दें, हिंदू पंचांग के अनुसार 24 जुलाई का दिन बेहद शुभ माना जा रहा है. वहीं, इस मेकर्स ने पोस्टर पर लिखा है, हजारों सालों से रामायण ने कई पीढ़ियों को धर्म के रास्ते मर्यादा, साहस और धैर्य के साथ पर चलने के लिए प्रेरित किया है. पर अब नई यात्रा शुरू हो रही है. भारत की सबसे बड़ी सभ्याताओं एपिक्स में से एक दुनिया में पेश हैं, जो आज तक भारतीय सिनेमा में आजतक नहीं हुआ है. बता दें, फिल्म में रणबीर कपूर, साई पल्लवी, रवि दुबे, सनी देओल, अरुण गोविल, सनी देओल, यश, काजल अग्रवाल और लारा दत्ता समेत कई स्टार अहम भूमिका में नजर आने वाले हैं. नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही रामायण को नमित मल्होत्रा की प्राइम फोकस स्टूडियोज, 8 बार ऑस्कर जीत चुके वीएफएक्स स्टूडियो डीएनईजी और यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के साथ मिलकर प्रोड्यूस कर रही है. यह दो भागों में बनने वाली फिल्म दुनियाभर में आईमैक्स में रिलीज होगी। इसका पहला भाग दिवाली 2026 और दूसरा भाग दिवाली 2027 में रिलीज किया जाएगा.

3 militants arrested in Manipur

New Delhi, Agency: Three militants belonging to two banned outfits were arrested from two districts of Manipur for their alleged involvement in extortion activities, a police statement said on Monday.

Another person with alleged links with insurgents was also nabbed and arms and ammunition were seized from his possession.

An insurgent belonging to the banned United Peoples' Party of Kangleipak (UPPK) outfit was apprehended in Porompat area in Imphal East district on Saturday. He has been identified as Salam Bijanda Singh (37). A militant of Kangleipak Communist Party (Nongdrenkhomba) was arrested from Wangkhei Ayangpalli in Imphal East district on the same day. Another cadre of KCP (Nongdrenkhomba) was also nabbed the same day from Khurai Nandeibam Leikai in Imphal East district. He has been identified as Md Motim (31).

Liquor gangs go to war in 'dry' Bihar, 3 dead in 4 days

Patna, Agency: A suspected gang war among alleged liquor smugglers in Samastipur district of "dry" Bihar has left three of them dead in the last four days.

In the first incident on the night of July 7, liquor smuggler Prabhat Choudhary and his associate, Sunny Kumar, were allegedly lured into a trap and shot dead.

Police said Prabhat was facing 11 criminal cases, including the ones for kidnapping, murder and liquor smuggling. Chargesheets had been filed in these cases. Based on the statement of Prabhat's father, an FIR has been lodged against Akhilesh Rai and others. Police said Akhilesh, who also has several liquor smuggling cases registered against him, is on the run and efforts are on to trace him.

Samastipur SP Arvind Pratap Singh said a financial row could have led to the double murder. "There is information about a monetary dispute between Prabhat and Akhilesh. Sunny had no criminal record, but police suspect he was also linked to liquor smuggling as he lived with Prabhat," he said. In the second incident, Ishant Kumar alias Chhotu was allegedly kidnapped and murdered on the night of July 8. His body was later buried in a field. Police recovered the body from the field allegedly owned by the accused, Nand Kumar Singh alias Anandi Singh, after digging nearly 10 feet with an earthmover.

3 women killed as truck rams into warkari procession in Pune

New Delhi, Agency: Three women were killed and seven other persons injured after a truck accompanying a 'waari' procession hit warkaris (devotees of Lord Vitthal) in Maharashtra's Pune district on Monday, police said. The accident occurred on the Saswad-Jejuri road.

A truck belonging to the Dindi (group of pilgrims) of Rangnath Maharaj from Loha in Nanded district struck a group of warkaris from a Dindi of Kasbedigraj in Sangli district around 500 metres from the Belsar toll naka towards Jejuri, Superintendent of Police (Pune Rural) Sandip Singh Gill said. "Three women died in the accident, while seven others sustained injuries. The injured persons have been shifted to a hospital in Jejuri for treatment," Gill said.

Hang those guilty of temple theft: Arvind Kejriwal

New Delhi, Agency: Launching a blistering attack on those responsible for alleged theft of donations at Ayodhya's Ram Temple, AAP convener Arvind Kejriwal on Sunday urged all devotees of Lord Ram to take a vow not to rest until the "perpetrators are hanged".

Addressing a gathering at Rohini here, where he launched a nationwide signature campaign over the alleged theft of donations, Kejriwal said, "Ram devotees must take a vow from today that they will not rest until those who committed the theft are hanged." He maintained that the campaign was not an AAP initiative but a movement for all devotees, irrespective of political affiliation. Kejriwal, accompanied by his wife Sunita, signed the first copy of a letter addressed to Prime Minister Narendra Modi, seeking strict action against the guilty. Thousands of devotees also signed the letter, with the party announcing that the campaign would be taken to temples and neighbourhoods across the country. Alleging large-scale irregularities in the construction and functioning of the temple, Kejriwal claimed, "A dacoity has taken place in the Ram Temple. Land scams were carried out, land was purchased at inflated prices, commissions were given during construction and even the donations offered by lakhs and crores of devotees were stolen."

He further alleged that despite repeated demands for action, those in power were shielding the accused. "We believed that those at the top would act. But now it has become clear that they will do nothing because people from their own party, their own organisation and affiliated organisations are involved," Kejriwal alleged.

Referring to the alleged thefts at the temple, Kejriwal claimed, "Within 40 days, 70 incidents of theft were captured on CCTV. Then, eight months of CCTV footage was deleted."

Targeting PM Modi, Kejriwal said, "The PM calls himself a Ram bhakt. If his faith is genuine, he should bring the truth before the people. He should not protect the guilty but ensure they are punished." Former Deputy Chief Minister Manish Sisodia, who was present at the event, said the campaign sought justice for devotees and urged the PM to ensure that those found guilty were punished rather than protected. Reacting to Kejriwal's charges, the BJP called him the "biggest hypocrite".

BJP IT department head Amit Malviya alleged that "there is no greater hypocrite in Indian politics today than Kejriwal".

Dhar's Saraswati is Gayatri Science ends 900-year mix-up

Bhopal, Agency: Wrong goddess. Wrong identity. Wrong for over 900 years. But a missing veena and a digital deep dive supplied the mantra as a silent stone goddess spoke her true name.

A striking 12th-century sculpture from Dhar in southwestern Madhya Pradesh, long worshipped in scholarship as Saraswati, has now been identified as goddess Gayatri, transforming a familiar museum treasure into one of India's rarest known images of the deity who personifies the Gayatri Mantra and Vedic wisdom.

Fresh digital documentation and high-resolution 3D mapping of the red sandstone sculpture at Bhopal's State Museum helped archaeologists decode iconographic clues that had escaped notice for centuries.

What emerged was more than a corrected museum label. It restored a forgotten chapter of India's sacred art. "The image matches classical descriptions of Gayatri in the Silpasastras," said archaeologist Ramesh Yadav, associated with the directorate of archaeology, archives and museums. Archaeologist Ramesh Yadav said, "The four-armed goddess sits in lalitasana, holding a rosary, lotus and the Vedas. A finely carved hamsa (swan) beside her symbolises sacred wisdom, while celestial garland bearers affirm her divinity. Together, these attributes identify the deity as Gayatri rather than Saraswati."

It was what the sculptor left out that became the clincher. "From the Gupta period (320-550 CE) onwards, Saraswati is almost invariably shown with a veena," said historian and archaeologist BK Lokhande.

13 arrested in Bahraich for using loan scam to facilitate cyber fraud

New Delhi, Agency: Thirteen members of a gang have been arrested in Bahraich district for allegedly taking control of people's bank accounts and banking instruments under the pretence of helping them secure loans, police said on Monday.

They allegedly used these accounts to conduct transactions involving money obtained through cyber fraud. Superintendent of Police (SP) Vishwajeet Srivastava said that the police had registered four cases of cybercrime in the district over the past four days, leading to the arrest of a total of 13 accused in separate operations. All the cyber criminals are residents of various police station areas of Bahraich. Preliminary investigations revealed that the accused would gain the trust of unsuspecting individuals by promising to arrange loans. They would then obtain personal items such as ATM cards, SIM cards, cheque books, and other banking details linked to the victims' accounts, the officer informed. He added that these bank accounts and banking instruments were subsequently used to transfer, withdraw, and conduct other suspicious financial transactions involving funds generated through cybercrime. According to Srivastava, in two cases registered on July 12 by Upendra Singh (resident of Dargah Sharif area) and Sahabuddin (resident of Motipur police station area), the police, assisted by the cyber cell, arrested eight accused on that very day (Sunday).

With connectivity gains, government schools narrow digital divide

New Delhi, Agency: Government schools have made the sharpest gains in internet connectivity over three years, increasing coverage from 46.2% in 2023-24 to 63.1% in 2025-26 and narrowing their gap with aided and private schools from about 28 percentage points to around 16. Their share of functional smart classrooms also rose from 21.2% to 32.2%, though it remains below aided schools at 41% and private unaided schools at 39.9%.

The latest UDISE+ report shows 67.4% of schools had internet facilities, up from 63.5% in 2024-25 and 53.9% in 2023-24, and that all schools in Goa have internet coverage while West Bengal lags at 19.7% in 2025-26.

Excluding UTs, Andhra Pradesh followed Goa at 99.2% coverage, ahead of Tamil Nadu at 99%, Gujarat at 96.8% and Kerala at 92.6%. At the bottom, Bengal was followed by Arunachal Pradesh at 36%, Meghalaya at 36.4%, Manipur at 38.8% and Tripura at 42.5%.

Goa rose from 87.6% in 2023-24 to full coverage and Andhra Pradesh from 93.9% to 99.2%. Among the bottom five, Meghalaya gained nearly 12 points and Tripura over seven, while Bengal edged up from 17.5% to 19.7%. Management-wise, internet access in govt-aided schools rose from 73.3% to 79.7% and private unaided coverage from 74.3% to 79.2%. A similar gap persists in computer availability. Overall, 69.9% of schools had computers in 2025-26 - 66.9% govt, 76.6% aided and 80% private unaided schools. For computers used for teaching, the shares were lower at 59.4%, 73.7% and 74%, respectively.

Lab availability fails to match rise in school numbers

New Delhi, Agency: The number of secondary schools with integrated science laboratories rose by about 10,000 in three years, but coverage fell to 54.6% in 2025-26, from 57.1% a year earlier and 55.9% in 2023-24, as the number of these schools expanded faster. The latest UDISE+ data shows the gap is not confined to govt schools - the situation was similar for govt-aided and private schools.

The share of schools with secondary sections having integrated science laboratories stood at 54.6% in 2025-26, down from the three-year peak of 57.1% in 2024-25 and 55.9% in 2023-24. In absolute terms, the number of schools with such laboratories increased from 1.6 lakh in 2023-24 to 1.7 lakh in 2025-26. However, the number of schools offering secondary education rose faster - from around 2.9 lakh to 3.1 lakh, pulling down overall coverage.

The report stresses the need for "adequate and safe infrastructure... computing devices, internet, libraries, and sports and recreational resources". It also warns that an imbalance in the availability of schools at different levels "may pose the risk of large-scale dropout of students at the higher classes" The management-wise trend is uneven.

Govt schools saw integrated science lab coverage edge up from 50.2% in 2023-24 to 51.1% in 2025-26. In contrast, govt-aided schools declined from 63.2% to 59.9%, while private unaided schools fell from 60.7% to 57.5%.

State-level data shows sharp contrasts. Bihar remained among the laggards, with only 26.9% of secondary schools having integrated science labs in 2025-26, though this improved from 23% in 2023-24. Assam rose sharply from 28.8% to 43.3%. Gujarat slipped from 46.7% to 43.8%, while Andhra Pradesh fell from 61.9% to 48.7% as secondary schooling expanded.

Vietnam tragedy: Day after death of 15 Indians, speedboat captain held

Hanoi, Agency: Vietnamese police arrested on Sunday the captain of a speedboat that capsized near southern Phu Quoc island, killing 15 Indian tourists, authorities said. The incident occurred on Saturday as the boat carrying 32 Indian tourists, three Vietnamese crew members and a tour guide overturned in rough seas off May Rut Ngoai islet, state media said. Sailors and rescuers recovered 21 people. Police in southern An Giang province said they arrested the 57-year-old captain of the boat for "violations of laws" resulting in the capsize. Tuoi Tre reported that "initial assessments by Vietnamese authorities suggest this was an unavoidable incident caused by extreme weather conditions" that shifted rapidly.

State media quoted sailors involved in the rescue effort as saying there were high waves but no rain at the time, and several other tourist boats were operating in the area. One witness, Ha Van Loc, said he spotted the overturned vessel with about a dozen men clinging to its hull. Several people were drifting at sea and not wearing life jackets, Loc said, according to state outlet VNExpress.

Worth more standing: India's forests are a $2.5-trillion asset we keep forgetting to count

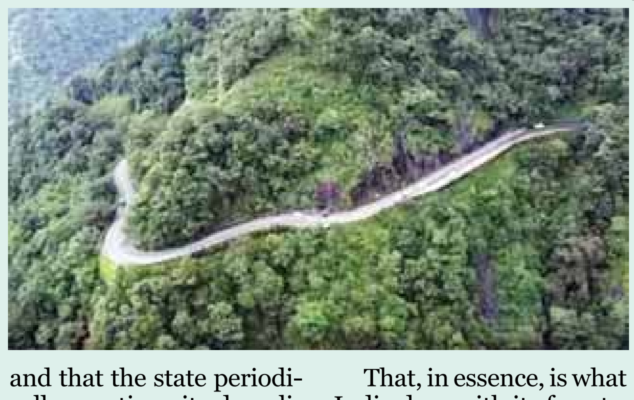

New Delhi, Agency: Picture a bank vault the size of Madhya Pradesh. Inside it sits not gold bullion or govt bonds, but clean water, breathable air, pollination services, flood barriers, carbon blocks, and medicinal plants - a portfolio of natural assets worth roughly $2.5 trillion every single year.

Now imagine that this vault does not appear on any national balance sheet, that its contents are routinely given away for free, and that the state periodically sanctions its demolition to make room for mines and motorways.

That, in essence, is what India does with its forests. A new peer-reviewed study published in Environmental and Sustainability Indicators has - for the first time at a comprehensive national scale - put hard numbers on what India's forests are actually worth. The findings should disturb every finance ministry official, every forest officer, and every citizen who has wondered why the govt keeps approving the conversion of green cover into concrete. The study by M Balasubramanian from the Institute for Social and Economic Change (Isec) along with colleagues from the Indian Council of Forestry Research and Charles Darwin University in Australia, drew on 45 valuation studies published between 2000 and 2024. Every estimate was standardised to 2023 US dollar prices. This was challenging given that some studies valued a single medicinal plant species in one forest patch while others attempted national-level assessments. "We applied meta-regression analysis, a technique borrowed from several research that pools results across heterogeneous studies and uses statistical controls to identify what is really driving the variation in reported values. The covariates included GDP per capita, population density, forest cover, the type of ecosystem service being valued, and the valuation method employed," Balasubramanian told TOI.